MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 17 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-165

राम नाम की लूट है!

बेशक़ीमती शिलाएँ, ज़ेवर छू

अयोध्या, 16 जून (एजेंसियां)।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी कोई नई नहीं है। धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे का दावा है कि 1989 में गांव-गांव, शहर-शहर और देश-विदेश से पूजित होकर अयोध्या आईं सोने-चांदी, हीरे-माणिक्य और अष्टधातु की 1250 शिलाएं अब गायब हो चुकी हैं। ये शिलाएं 2002 तक कारसेवकपुरम में रहीं। मिट्टी की पूजित शिलाएं आज भी कारसेवकपुरम में रखी हैं, लेकिन धातु की शिलाएं कहीं दिखाई नहीं देतीं। संतोष दुबे के मुताबिक, सोने-चांदी की शिलाओं की देख-रेख का जिम्मा भी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पास था।

ये शिलाएं कारसेवकपुरम में जहां सुरक्षित रखी गई थीं, वहां 3 ताले लगे थे। फिर ये शिलाएं कहां गायब हो गईं, यह किसी को नहीं पता है।

श्रीराम मंदिर आंदोलन से जुड़े संतोष दुबे ने कहा, श्रीराम मंदिर के लिए 1985 में श्रीराम जन्मभूमि न्यास बना। इसके अध्यक्ष परमहंस रामचंद्र दास थे। न्यास में विहिप के अशोक सिंघल, गिरिराज, रामविलास वेदांती, चंपत राय समेत कई लोग थे।

श्रीराम मंदिर आंदोलन को धार देने के लिए 1989 में विहिप ने पहला बड़ा अभियान शुरू किया। नारा दिया गया सवा रुपया दे दे रे भैया रामशिला के नाम का, राम के घर में लग जाएगा पत्थर तेरे नाम का।

इस अभियान में विहिप ने हर एक व्यक्ति से सवा रुपए, मतलब एक घर से 5 से 10 रुपए चंदा देने के लिए कहा। साथ ही घर-घर से पूजित शिलाएं भी मांगीं। विहिप ने कहा था कि श्रीराम मंदिर के निर्माण में इन शिलाओं का इस्तेमाल किया जाएगा। इस अभियान ने पूरे देश में श्रीराम मंदिर के आंदोलन को तेज कर दिया। लोगों ने खुलकर दान दिया।

वह आगे कहते हैं, मैं तो अयोध्या में ही रहता हूं। तब कारसेवकपुरम से जुड़ गया था। मेरा काम ऐसी शिलाओं का लेखा-जोखा तैयार करने का था, जो सोने-चांदी, हीरा, माणिक्य, अष्टधातु सहित अन्य महंगी धातुओं से तैयार करके भेजी जा रही थीं। तब मेरी उम्र 22-23 साल की रही होगी। मेरे साथ इस गणना में तब संघ के एक प्रचारक डॉ. रामविलास वेदांती और परमहंस रामचंद्र दास शामिल थे। डॉ. रामविलास वेदांती और परमहंस रामचंद्र दास आज इस दुनिया में नहीं हैं।

सबसे महंगी शिला मॉरीशस से आई

संतोष दुबे दावा करते हैं, सोने-चांदी और अष्टधातु की इन शिलाओं की कुल संख्या 1250 थी। परमहंस रामचंद्र दास जी बताते थे कि इन शिलाओं में सबसे महंगी शिला मॉरीशस वाली थी। मुंबई के एक व्यापारी ने जो शिला भेजी थी, उस पर हीरे जड़े थे। सबसे ज्यादा चांदी, फिर सोने की शिलाएं थीं।

ये शिलाएं ट्रस्ट के अध्यक्ष परमहंस रामचंद्र दास के निर्देश पर विहिप के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय की देख-रेख में रखवाई गई थीं। शिलाएं सुरक्षा के लिए जहां रखी गईं, वहां 3 ताले लगाए गए थे। 2002 तक ये शिलाएं थीं। इसके बाद से पता नहीं चला। ▶8 पर

3 शिकायतें दर्ज, एफआईआर अब तक नहीं

इससे पहले चढ़ावा चोरी को लेकर पुलिस के पास 3 शिकायतें पहुंची हैं। पहली धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे ने की। दूसरी यूपी युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला और तीसरी करणी सेना ने की है। हालांकि पुलिस ने अभी तक कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, भगवान की एफआईआर बड़ी होगी। हम-आप जो कानून वाली एफआईआर करवाते हैं, उसका क्या करोगे?

एसआईटी का सवाल: कर्मचारियों की जाते वक्त जांच होती थी या नहीं?

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने सोमवार को सबसे पहले चंपत राय से जांच की जानकारी ली। इसके बाद एक-एक संदिग्ध से बंद कमरे में पूछताछ की। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मंदिर परिसर में प्रवेश के समय कर्मचारियों की चेकिंग होती थी, लेकिन बाहर निकलते समय नहीं होती थी।

टिन्नू के घर से सोना बरामद

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर से दो दिन पहले यानी शनिवार को सोना मिला। ट्रस्ट की टीम पुलिस के साथ उनके घर पहुंची थी। ट्रस्ट की जांच टीम ने गोपनीय तरीके से यह कार्रवाई की। इस मामले में ट्रस्ट और पुलिस का कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है। सूत्र बताते हैं कि इसकी कीमत करोड़ों में है। टिन्नू को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का करीबी माना जाता है। ट्रस्ट में वह काफी पावरफुल हैं। चाहे सिक्योरिटी का मैनेजमेंट हो या चढ़ावे को बैंक में जमा कराना हो, वही सब कुछ मैनेज करते हैं।

ट्रेन से बोरा, फ्लाइट से वापसी

इधर, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के रिश्ते में भतीजे लगने वाले सोमेश आनंद भी शक के घेरे में हैं। सूत्रों के मुताबिक, सोमेश आनंद ने एक साल में 50 से ज्यादा यात्राएं की हैं। इनमें कर्नाटक समेत कई राज्य शामिल हैं।

खास बात यह है कि सोमेश बोरे में लगेज लेकर अयोध्या से ट्रेन से जाते थे और वापसी फ्लाइट से खाली हाथ करते थे। बोरे में क्या होता था, इसे लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं। यह भी दावा है कि वह पैसा और सामान लेकर ट्रेन से जाते थे, क्योंकि ट्रेन में चेकिंग कम होती है।

गोपाल राव कर्नाटक के रहने वाले हैं। सोमेश आनंद भी वहीं के हैं। 2023 में मंदिर निर्माण प्रभारी बनने के बाद गोपाल राव ने सोमेश की नौकरी मंदिर में लगवाई थी।

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू

छापेमारी : 1.5 करोड़ की जमीन खरीदी

मंदिर में दान में चढ़ने वाले सोने-चांदी के जेवरों को संभालने की जिम्मेदारी केडी तिवारी की है। वह भी संदेह के घेरे में हैं। पीसीएफ यात्री सुविधा केंद्र में ट्रस्ट की जांच टीम ने उनसे भी पूछताछ की थी। 2 दिन पहले इनके घर भी ट्रस्ट और सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने छापेमारी की। हालांकि, इनके घर से टीम को क्या मिला, यह अभी साफ नहीं है। केडी तिवारी ने 1.5 करोड़ रुपए की जमीन खरीदी है, जो जांच के दायरे में है। केडी तिवारी ने भास्कर से कहा था मेरी जिम्मेदारी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के दान किए गए सोने-चांदी के गहनों को तौलकर दानदाता को रसीद देने की थी। फिर उन गहनों को ट्रस्ट के जिम्मेदार अधिकारियों तक सुरक्षित पहुंचा देता था। इसके आगे गहनों के साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है, यह मुझे नहीं पता है। सूत्रों के अनुसार, रामलला के दान से चोरी की रकम का बंटवारा अयोध्या में निर्मला हॉस्पिटल के पास एक मकान में होता था। ▶8 पर

उद्धव सेना में बग़ावत

9 में से 6 सांसद छोड़ेंगे पार्टी!

मुंबई, 16 जून (एजेंसियां)।

ममता बनर्जी के बाद अब उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लग सकता है। महाराष्ट्र की राजनीति से ऐसी खबरें आ रही हैं जो यूबीटी खेमे की नींद उड़ा सकती हैं। जानकारी के मुताबिक, उद्धव गुट के 9 में से 6-7 सांसद बगावत का मन बना चुके हैं। अगर यह सियासी पटकथा सच साबित हुई तो स्थापना दिवस से पहले उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा झटका लग सकता है। दो बागी सांसद दिल्ली पहुंच गए हैं। इसके बाद देर रात खबर आई कि परभणी सांसद संजय (बंधु) जाधव और यवतमाल-वाशिम सांसद संजय देशमुख चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, बागी सांसद अलग गुट बनाएंगे और इसके बाद शिवसेना (शिंदे गुट) में विलय कर लेंगे।

टूट रोकने की कोशिश तेज

पार्टी में संभावित टूट को रोकने की कोशिश भी तेज है। इसके लिए सांसद अनिल देसाई और संजय राउत भी दिल्ली आ गए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि शिव-सेना के 60वें स्थापना दिवस (19 जून) से पहले डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की तरफ से उद्धव ठाकरे को ये झटका दिया जाएगा। बता दें कि सात सांसदों के साथ शिवसेना (शिंदे गुट) केंद्र में बीजेपी की तीसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसद हैं।

ऑपरेशन टाइगर : शिंदे ने किया था खंडन

दरअसल, महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा है। कहा जा रहा था कि इसके तहत कुछ सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, शिंदे ने इस दावे को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब किसी भी तरह के नंबर गेम की जरूरत नहीं है। ▶8 पर

मोदी का जी7 भाषण

ट्रंप के सामने 'भरोसे' की बीन

नयी दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

जी-7 के मंच से वर्ल्ड लीडरस को मैसेज देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आपसी भरोसा सबसे अहम रणनीतिक संपत्ति है। लेकिन दुःख की बात है कि आज दुनियां में संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि भरोसे की कमी है। फ्रांस के एवियन शहर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बगल में बैठे पीएम मोदी ने कहा कि हमारी साझेदारियों का भविष्य इसी भरोसे को फिर से कायम करने पर निर्भर करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बगल में बैठे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनियां को दाता-दानी के नजरिए से हटकर एकजुटता और समानता पर आधारित साझेदारी की ओर बढ़ना चाहिए।

एवियन में जी-7 समिट के दौरान नई साझेदारियां बनाना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को फिर से मजबूत करने पर आयोजित आउटरीच सेशन में शामिल होते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज की दुनियां पहले से कहीं ज़्यादा आपस में जुड़ी और एक-दूसरे पर निर्भर है, ऐसे में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन साझेदारियां तभी सफल हो सकती हैं जब वे भरोसे पर टिकी हों।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया गया कि ग्लोबल साउथ को दुनियां से बहुत उम्मीदें हैं। उसे सिर्फ मदद नहीं, बल्कि साझेदारी चाहिए। हमें मदद देने और लेने वाली सोच से आगे बढ़कर बराबरी के साझेदार के तौर पर काम करना होगा। हमें सिर्फ एक-दूसरे के साथ-साथ नहीं, बल्कि मिलकर आगे बढ़ना होगा। साझेदारी का मतलब सम्मान से होना चाहिए, निर्भरता से नहीं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का मानना है कि साझेदारी की असली कसौटी यह नहीं है कि हम दूसरों के लिए क्या बनाते हैं, बल्कि यह है कि हम उन्हें खुद के लिए कुछ बनाने में कैसे सक्षम बनाते हैं। हमारी विकास साझेदारियां इसी भावना को दर्शाती हैं। हमारी कोशिशें सहयोगी देशों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित रही हैं। इस सेशन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया।

वसुधैव कुटुंबकम की सदियों पुरानी सोच

मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा मानवता सबसे पहले के नजरिए को अपनाया है। यह भारत की अगुवाई वाली इंटरनेशनल सोलर अलायंस, कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, मिशन लाईफ और एक पेड़ मां के नाम जैसी पहलों में दिखता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को लेकर भारत का नजरिया वसुधैव कुटुंबकम यानी दुनियां ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 27^0

ट्रंप टीम में फूट : डील पर आमने-सामने

नयी दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

ईरान के साथ डील करके अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप होमग्राउंड पर फंस गए हैं। सीआईए समेत अमेरिकी प्रशासन के दिग्गज व्यक्तियों ने इस डील की कामयाबी पर संदेह व्यक्त किया है और ट्रंप पर ईरान को जरूरत से ज्यादा ढील देने का आरोप लगाया है। बता दें कि ट्रंप भी ऐसा ही आरोप अपने राजनीतिक विर-ोधी बराक ओबामा पर लगाते रहे हैं, जिन्होंने 2015 में ईरान के साथ ऐसी ही डील की थी।

वहीं ट्रंप को इस डील पर सपोर्ट करने वालों में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ट्रंप के सलाहकार और दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल हैं। इस तरह से ईरान के साथ इस एमओयू पर ट्रंप की टीम दो हिस्सों में बंट गई है। इनमें से एक टीम इस डील का विरोध कर रही है, जबकि दूसरी टीम इसके सपोर्ट में है।

ईरान से फिर धोखा मिलने का अंदेशा

सीआईए ने अपने एजेंटों से मिले इनपुट और ईरान की जासूसी के आधार पर कह दिया है कि अमेरिका को फिर से धोखा मिलने वाला है। इसलिए अमेरिका को चेत जाना चाहिए। ईरान के साथ ट्रंप के इस समझौते का विरोध करने वालों में उसके दो लेफ्टिनेंट ▶8 पर

कांग्रेस यूपी की नई रणनीति

चंद्रशेखर-ओवैसी पर 'हाथ'

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन है, लेकिन सीट शेयरिंग का मामला फंसा हुआ है। कांग्रेस ने यूपी में गठबंधन की नई स्क्रिप्ट लिखने की कवायद में जुट गई है। कांग्रेस की नजर दलित नेता चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की है। सहारनपुर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद ने असदुद्दीन ओवैसी को भाई और चंद्रशेखर आजाद को अपना दोस्त और हमदर्द बताया है।

इमरान मसूद ने कहा कि यूपी में बीजेपी को कोई अकेले दम पर चुनाव नहीं हरा पाएगा। उत्तर प्रदेश में अगर कोई गलत फहमी में है तो वो दूर कर ले। राहुल गांधी का हाथ थामे बगैर कोई भी बीजेपी को नहीं हरा सकता है। इस तरह इमरान मसूद यूपी में गठबंधन की नई इबारत लिखने की कवायद में है। कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अपने गठबंधन की स्क्रिप्ट तैयार कर रही है। इस गठबंधन में कई छोटे दल शामिल हो सकते हैं। चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी को अपना भाई बताते हुए इमरान मसूद ने कहा कि अभी कांग्रेस की तरकश में बहुत तीर है। मसूद ने कहा कि सूबे में अपनी स्क्रिप्ट कांग्रेस पार्टी गठबंधन को लेकर खुद लिखने वाली है। कांग्रेस एक तरफ ए ग्रेड की 170 सीटों की बात और ▶8 पर

दुनिया की पहली कमर्शियल ब्रेन चिप नियो लांच करने के साथ ही चीन ने मस्क को पछाड़ा

बीजिंग

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) तकनीक को कारोबारी बनाने की वैश्विक दौड़ में चीन ने अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की न्यूरालिंक को एक बड़ा झटका देकर दुनिया की पहली व्यावसायिक रूप से उपलब्ध ब्रेन चिप नियो को लांच किया है। सफल क्लिनिकल परीक्षणों के बाद चिप को वाणिज्यिक उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई है, जिससे यह तकनीक इंसानी दिमाग और मशीनों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

बीजिंग की सिंघुआ यूनिवर्सिटी और शंघाई की न्यूराकल टेक्नोलाजी के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित, सिक्कों के आकार का यह नियो इम्प्लांट, नैदानिक परीक्षण पास करने वाला पहला सर्जिकल इम्प्लांट बीसीआई डिवाइस बना है। इसका प्रारंभिक संस्करण उन मरीजों की मदद के लिए बनाया गया है जो रीढ़ की हड्डी की चोट और लकवा से जूझ रहे हैं, ताकि वे अपने तंत्रिका तंत्र के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण पा सकें। वर्तमान में, 11 लोग डिवाइस का परीक्षण कर रहे हैं, जबकि कुल 36 मरीजों पर इसके सफल परिणाम दर्ज किए हैं।

यह विकास तब हुआ है जब मस्क की न्यूरालिंक अमेरिका में मानव परीक्षण कर रही है, लेकिन अभी तक व्यावसायिक उपयोग के लिए नियामक मंजूरी नहीं मिली है। मस्क ने अपनी ब्रेन-चिप को जीसस-लेवल टेक्नोलाजी बताकर इसकी जीवन बदलने वाली क्षमता पर जोर दिया है, जिससे भविष्य में उपयोगकर्ता अपने विचारों से टाइप कर सकते और विभिन्न उपकरणों को नियंत्रित कर पाएंगे। न्यूरालिंक का एन1 इम्प्लांट नौ मरीजों पर परीक्षण किया जा रहा है, जिसमें एक प्रतिभागी आड्रे क्रूज़ ने अपने अनुभव को आशाजनक बताया है।

विश्लेषकों का मानना है कि नियो इम्प्लांट का डिज़ाइन चीन की तेज़ी से प्रगति का एक प्रमुख कारण है। न्यूरालिंक के एन1 डिवाइस में इलेक्ट्रोड को सीधे दिमाग के सेरेब्रल कार्टेक्स में डाला जाता है, जबकि निओ को खोपड़ी और दिमाग के बीच (ड्यूरा मेटर के पास) फिट होने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें आठ सेंसर शामिल हैं। यह कम-इनवेसिव (कम दखलंदाजी वाली) प्रक्रिया ब्रेन इम्प्लांट से जुड़े पारंपरिक चिकित्सा जोखिमों को कम करने में मदद करती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बीसीआई तकनीक न्यूरोलाजिकल बीमारियों से जूझ रहे लाखों लोगों, विशेषकर चलने-फिरने और बोलने में कठिनाई वाले लोगों के जीवन को बेहतर बना सकती है। इसका उपयोग लकवा और रीढ़ की हड्डी की चोटों से परे पार्किंसंस रोग, मिर्गी, स्ट्रोक और डिप्रेशन जैसी स्थितियों के उपचार में भी हो सकता है। हालांकि, चीन में बढ़ती इस तकनीक ने प्राइवेसी, सिक्योरिटी और सेफ्टी को लेकर चिंताएं भी पैदा की हैं। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सैद्धांतिक रूप से, ये डिवाइस हैकर्स को मरीजों के संवेदनशील न्यूरल डेटा या विचारों तक पहुंच प्रदान कर सकते हैं, जो भविष्य में नई चुनौतियां खड़ी करेगा।

न्यूज ब्रीफ

सुपर न्यू मून सूर्य ग्रहण का कारण बनेगा! दिखेगा अद्भुत नजारा, कई खगोशास्त्रिय घटनाएं ऐसी हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ती हैं

वाशिंगटन। सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण दुनियाभर में खगोशास्त्रियों के लिए दिलचस्प होता है। इसमें कई घटनाएं ऐसी हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ती हैं। सुपर न्यू मून और सूर्य ग्रहण का जिक्र अक्सर एक साथ होता है। इससे यह मान लेना आसान है कि एक घटना अपने आप दूसरी घटना का कारण बनती है। दोनों ही घटनाओं में न्यू मून का चरण शामिल होता है। हर सूर्य ग्रहण की शुरुआत न्यू मून से होती है लेकिन हर न्यू मून सूर्य ग्रहण में नहीं बदलता है। अब ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या 2026 का सुपर न्यू मून सूर्य ग्रहण का कारण बनेगा। इस साल सुपर न्यू मून की घटना दुनिया को देखने को मिलेगी तो क्या फिर इसके चलते सूर्य ग्रहण भी होगा। सुपर न्यू मून तब होता है जब न्यू मून की घटना चंद्रमा के अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे करीब होने के समय होती है। खगोलीय विशेषज्ञों के मुताबिक यह समुद्र में ज्वार-भाटा को प्रभावित कर सकता है। जहां तक सवाल है कि सुपर न्यू मून के सूर्य ग्रहण का कारण बनने का सवाल है तो इसका सीधा जवाब नहीं में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुपर न्यू मून सिर्फ यह बताता है कि चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर अपनी कक्षा में कहां है। सूर्य ग्रहण पूरी तरह से एक अलग वजह पर निर्भर करता है। यह वजह है सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी का एक ही सीध में आना यानी एलाइनमेंट। सुपर न्यू मून अमूमन बिना ग्रहण के गुजर जाते हैं क्योंकि चंद्रमा आमतौर पर पृथ्वी की कक्षा के तल से थोड़ा ऊपर या नीचे चलता है। जब सीध बिल्कुल सही नहीं होती है तो चंद्रमा की छाया पृथ्वी पर नहीं पड़ती है और कोई सूर्य ग्रहण नहीं होता है।

पीएम मोदी की यात्रा से और बेहतर होंगे स्लोवाकिया से संबंध, भारतीयों की समस्याओं के भी निकलेंगे समाधान

ब्रातिस्लावा। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों और स्थानीय कलाकारों ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत और स्लोवाकिया के संबंध और गहरे होंगे, जिससे वहां रहने वाले भारतियों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाने में मदद भी मिल सकेगी। गौरतलब है कि पीएम मोदी को स्लोवाकिया की पारंपरिक रोटी और नमक भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। पीएम मोदी की यात्रा पर स्लोवाक संगीत एवं आध्यात्मिक समूह महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट के संस्थापक और ड्रमर मारेक जिलिनेक ने कहा कि हमारे बैंड को महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट कहा जाता है। मैं गायक नहीं, बल्कि ड्रमर हूं। यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। हम स्लोवाकिया स्थित भारतीय दूतावास के आभारी हैं, जिसने हमें पीएम मोदी के स्वागत में प्रस्तुति देने का अवसर दिया।

बांग्लादेश में ऐतिहासिक स्थानों के नाम बदलने की उठी मांग, हिंदूओं की बढ़ी चिंता

ढाका। बांग्लादेश में ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों के नाम बदलने की मांग को लेकर विवाद बढ़ रहा है, वहीं

दूसरी ओर गाइबांधा जिले में एक हिंदू धार्मिक परिसर के निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। इन घटनाओं ने अल्पसंख्यक अधिकारों से जुड़े लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है। बता दें इस हिंदू धार्मिक परिसर की सबसे प्रमुख विशेषता बांग्लादेश की सबसे ऊंची भगवान कृष्ण की प्रतिमा है। करीब 50 फीट ऊंची इस काली प्रतिमा का उद्घाटन 25 नवंबर 2025 को राजशाही में भारत के सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार ने किया था। उद्घाटन के बाद से यह स्थल बांग्लादेश के कई हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। मंदिर समिति की दीर्घकालिक योजना में कई हिंदू देवी-देवताओं की कुल 144 प्रतिमाओं का निर्माण, धार्मिक संरचनाएं और सुंदर कलात्मक स्थापत्य विकसित करना शामिल है। इसके साथ ही सबसे ताजा विवाद बोगरा जिले के शिबगंज उपजिला से जुड़ा है। शिबगंज का नाम लंबे समय से भगवान शिव से जुड़ा माना जाता है। रिपोर्टों के मुताबिक अधिकारियों ने उपजिला का नाम बदलकर महास्थान उपजिला करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रस्तावित बदलाव ने अल्पसंख्यक अधिकार कार्यकर्ताओं और सांस्कृतिक पर्यवेक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। उनका मानना है कि यह केवल एक नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि देश की ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान से जुड़े प्रतीकों को धीरे-धीरे हटाने की शुरुआत है।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सुलझाया 50 साल पुराना रहस्य

वाशिंगटन

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों द्वारा लगभग पांच दशकों से जिस घटना की केवल परिकल्पना की जा रही थी, अब उसके अस्तित्व की पुष्टि हो गई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार हमारी आकाशगंगा मिल्की वे के केंद्र में स्थित सुपरमैसिव ब्लैक होल से निकलने वाली शक्तिशाली हवाओं के प्रत्यक्ष प्रमाण खोजे हैं। वैज्ञानिकों की यह खोज अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है और इससे ब्लैक होल के व्यवहार तथा आकाशगंगाओं के विकास को समझने में नई दिशा मिलेगी। मिल्की वे के केंद्र में स्थित इस विशाल ब्लैक होल को सैजिटेरियस ए-स्टार के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते रहे हैं कि ब्लैक होल केवल पदार्थ को निगलते ही नहीं, बल्कि अपने आसपास की गैस और धूल पर प्रभाव डालते हुए ऊर्जा और हवाओं का भी उत्सर्जन करते हैं। हालांकि अब तक सैजिटेरियस ए-स्टार से निकलने वाली ऐसी हवाओं का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला था।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब गैस और धूल ब्लैक होल की ओर खिंचती है, तो अत्यधिक गति और गुरुत्वाकर्षण के कारण उसमें भारी ऊर्जा उत्पन्न होती है। यही ऊर्जा आसपास के पदार्थ को बाहर की ओर धकेल सकती है, जिसे वैज्ञानिक ब्लैक होल विंड्स कहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि सैजिटेरियस ए-स्टार अपेक्षाकृत बहुत कम मात्रा में पदार्थ निगलता है, फिर भी उसमें यह प्रक्रिया सक्रिय पाई गई है। इस रहस्य को सुलझाने के लिए वैज्ञानिकों ने चिली में स्थित अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर एरे (अल्मा) वेधशाला के पांच वर्षों के अवलोकन डेटा का अध्ययन किया। यह वेधशाला 66 अत्याधुनिक रेडियो एंटेना से लैस है और अंतरिक्ष में मौजूद ठंडी गैसों का अत्यंत सूक्ष्म अवलोकन करने में सक्षम है।

अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं को सैजिटेरियस ए-स्टार के आसपास मौजूद ठंडी आणविक गैस में लगभग तीन प्रकाश-वर्ष लंबी एक शंकुाकार खाली जगह दिखाई दी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह क्षेत्र ब्लैक होल से निकलने वाली गर्म हवाओं के कारण बना है, जिन्होंने आसपास की गैस को या तो दूर धकेल दिया या अत्यधिक गर्म कर दिया। शुरुआत में वैज्ञानिकों को संदेह था कि यह प्रभाव आसपास मौजूद तारों की हवाओं के कारण भी हो सकता है। लेकिन विस्तृत गणनाओं से स्पष्ट हुआ कि तारों के पास इतनी ऊर्जा नहीं है कि वे इतनी बड़ी संरचना बना सकें। इसके बाद शोधकर्ताओं ने नासा के चंद्रा एक्स-रे वेधशाला के आंकड़ों का सहारा लिया। जब अल्मा और चंद्रा के डेटा को एक साथ मिलाया गया, तो पाया गया कि जहां गैस में खाली स्थान मौजूद था, वहीं से एक्स-रे उत्सर्जन भी हो रहा था। इससे ब्लैक होल विंड्स की मौजूदगी की पुष्टि हो गई। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह हवा संभवत: लगभग 20 हजार वर्षों से बह रही है। हालांकि पृथ्वी के लिए इससे कोई खतरा नहीं है, क्योंकि सैजिटेरियस ए-स्टार हमसे करीब 26 हजार प्रकाश-वर्ष दूर स्थित है। इतनी विशाल दूरी के कारण इसका हमारी पृथ्वी या सौर मंडल पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अपेक्षाकृत शांत ब्लैक होल के व्यवहार को समझने का दुर्लभ अवसर प्रदान करती है। अधिकांश अध्ययन उन ब्लैक होलों पर केंद्रित रहे हैं जो अत्यधिक सक्रिय होते हैं और बड़ी मात्रा में पदार्थ निगलते रहते हैं। इसके विपरीत, सैजिटेरियस ए-स्टार अपेक्षाकृत शांत अवस्था में है और वैज्ञानिक अब यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि ऐसे ब्लैक होल अपने शांत काल में किस प्रकार कार्य करते हैं।

जी7 शिखर सम्मेलन 2026: फ्रांस के इवियान में उच्चस्तरीय बैठक शुरू, ट्रंप की मौजूदगी से बढ़ा वैश्विक फोकस

इवियान (फ्रांस)। फ्रांस के इवियान-लेस-बैंस में 2026 का जी7 शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है, जिसमें दुनिया की सात प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए एकत्र हुए हैं। इस बार सम्मेलन का केंद्र बिंदु अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भागीदारी और उनकी कूटनीतिक गतिविधियां बनी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मेजबान के रूप में शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे हैं। सम्मेलन 15 से 17 जून तक चलेगा और इसमें वैश्विक व्यापार तनाव, ऊर्जा सुरक्षा, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), और यूक्रेन तथा मध्य पूर्व जैसे संघर्षों पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप हाल ही में अमेरिका-ईरान संघर्ष पर हुए एक समझौते की घोषणा के बाद इवियान पहुंचे हैं, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने और युद्ध विराम की दिशा में कदम उठाए जाने की बात कही गई है। सम्मेलन में यूरोपीय देशों—ब्रिटेन, जर्मनी, इटली और कनाडा के साथ-साथ जापान के नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भी बैठक में भाग ले रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इस बार जी7 बैठक विशेष रूप से संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर युद्ध, ऊर्जा संकट और चीन की व्यापार नीतियों का दबाव बढ़ा हुआ है। फ्रांस ने इस बार एजेंडे को इस तरह तैयार किया है कि सदस्य देशों के बीच टकराव कम हो और सामूहिक सहमति बनाई जा सके। सम्मेलन के दौरान ट्रंप की उपस्थिति और उनके द्विपक्षीय बैठकों पर भी सभी की नजर है, खासकर यूरोपीय नेताओं के साथ उनके संबंधों को लेकर।

यूएई के बराकाह न्यूक्लियर प्लांट पर हमले की निंदा, सुरक्षा को लेकर वैश्विक चेतावनी जारी

अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात)

संयुक्त रात अमीरात (यूएई) के बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर पिछले माह की 17 मई को हुए हमले की निंदा करते हुए सुरक्षा को लेकर वैश्विक चेतावनी जारी की गई। यह हमला इराक के हथियारबंद गुटों ने किया था। निंदा करने वाले देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया है। साथ ही पर्यावरण और मानवीय खतरों के प्रति आगाह करते हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में न्यूक्लियर सुविधाओं के शांतिपूर्ण आपरेशन और सुरक्षा के लिए समर्थन दोहराया है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अरब दुनिया के पहले वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के संदर्भ में संयुक्त अरब अमीरात, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, बहरीन, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, चिली, कोलंबिया, कोमोरोस, कोस्टा रिका, कोटे डी आइवर, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, मिस्र, इक्वाडोर, एस्टोनिया, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, फ्रांस, जार्जिया, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, होंडुरास, हंगरी, आयरलैंड, इटली, जापान, जार्डन, कजाकिस्तान, कुवैत, लातविया, लेबनान, लीबिया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, मार्शल द्वीप, मारीशस, मोल्दोवा, मोरक्को, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, पाकिस्तान, पलाऊ, पैराग्वे, पेरू, फिलीपींस, पोलैंड, पुर्तगाल, कतर, कोरिया गणराज्य, रोमानिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, सैन मैरिनो, सऊदी अरब, सर्बिया, सेशेल्स, सिंगापुर, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, सीरिया, टोंगा, तुर्किये, यूक्रेन, ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स, उरुग्वे, वियतनाम और यमन ने संयुक्त बयान जारी किया है। पूरा बयान इस प्रकार है- हम 17 मई 2026 को संयंत्र के अंदरूनी हिस्से के बाहर इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर किए गए ड्रोन हमले की कड़ी निंदा करते हैं। यह हमला संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) के चार्टर समेत इंटरनेशनल कानून का खुला उल्लंघन है। यह अंतराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ सभी हमलों को रोकने की मांग करते हैं।

नेपाल में चीन के सहयोग से चल रही परियोजनाओं में तेजी आने की उम्मीद

काठमांडू। नेपाल में चीन के सहयोग से चल रही परियोजनाओं में तेजी आने की उम्मीद है। रविवार को चार दिवसीय दौरे पर चीन पहुंचे नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। नेपाल के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस दौरान चीन ने पूर्व में सहमत परियोजनाओं में तेजी लाने का आश्वासन दिया। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच आधारभूत संरचना विकास, संपर्क एवं कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, कृषि, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटलीकरण, पर्यटन, रासायनिक उर्वरक, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण और जनस्तर के संबंधों को और मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन ने नेपाल सरकार को सुशासन और आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं में पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। नेपाल ने स्पष्ट किया कि वह अपनी भूमि का उपयोग चीन विरोधी गतिविधि के लिए नहीं होने देगा। इसके जवाब में चीन ने नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपने दृढ़ समर्थन और सम्मान को पुनः व्यक्त किया। साथ ही, सुशासन और आर्थिक विकास के एजेंडे में हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। द्विपक्षीय वार्ता के बाद विदेशमंत्री वांग यी ने खनाल के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एयर फोर्स का बी-52 बाम्बर क्रैश, आठ लोगों की मौत

वाशिंगटन

अमेरिका के कैलिफोर्निया में सोमवार को एयर फोर्स का बी-52 बाम्बर उड़ान भरने के फौरन बाद क्रैश हो गया। इस हवाई दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। क्रैश की वजह की जांच चल रही है। बी-52 बाम्बर एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस से रूटीन टेस्ट मिशन पर निकला था। इस दुर्घटना की जानकारी स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:20 बजे मिली।

एयर फोर्स का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बाम्बर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद क्रैश हो गया और उसमें आग लग गई। इससे आठ लोगों की मौत हो गई। बेस पर मौजूद 412वें टेस्ट विंग के डिप्टी कमांडर कर्नल जेम्स हेस ने फ़ुटेज की समीक्षा के आधार पर कहा कि इस क्रैश में किसी के भी बचने की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने इसे एक भयानक त्रासदी बताया।

डिप्टी कमांडर कर्नल जेम्स हेस ने कहा कि हमने आठ बेहतरीन अमेरिकियों को खो दिया। क्रू में वर्दीधारी सैनिक, सरकारी कर्मचारी और सरकारी कान्ट्रैक्टर शामिल थे। विमान में सवार लोगों के नाम उनके परिवार वालों को सूचना देने के 24 घंटे बाद जारी किए जाएंगे।

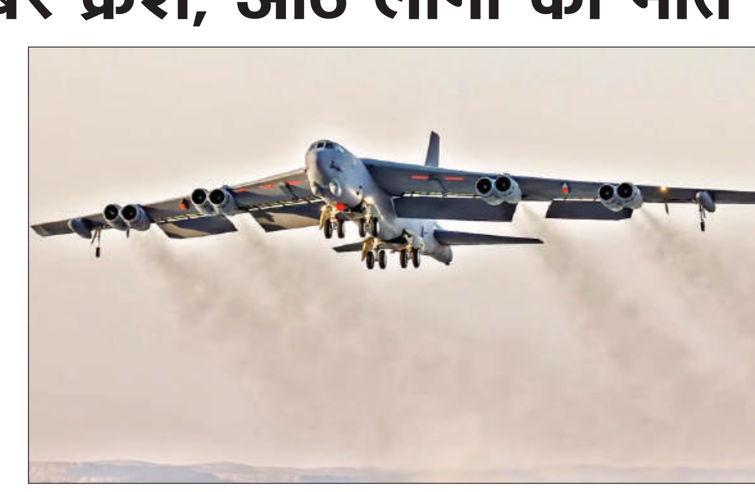

बोइंग ने सोमवार शाम एक बयान जारी कर कहा कि हादसे में मारे गए लोगों में से दो इस बड़ी एयरोस्पेस कंपनी के कर्मचारी थे। हम उनके परिवारों के संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव मदद दे रहे हैं। बेस ने कहा कि आपातकालीन स्थिति से निपटने वाली टीम मौके पर मौजूद है। अधिकारी सभी कर्मियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हेस के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है और इस प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। बेस पर दिन में कई बार टेस्ट मिशन होते हैं। बेस ने एयरफील्ड बंद कर दिया है और कहा है कि आने वाले सभी विमानों का रास्ता बदला जा रहा है। हेस ने कहा कि मंगलवार को सभी आपरेशन रोक दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस पर नए और विकास के दौर से गुजर रहे एयरक्राफ्ट की टेस्ट फ्लाइट की जाती है। बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस लंबी दूरी का बाम्बर है। 1950 के दशक से यह अमेरिकी सेना की हवाई ताकत का एक अहम हिस्सा है। यह एयरक्राफ्ट पारंपरिक और परमाणु, दोनों तरह के हथियार लंबी दूरी तक ले जाने में सक्षम है और वियतनाम से लेकर ईरान युद्ध तक के संघर्षों में इसका इस्तेमाल किया गया है।

न्यू मैक्सिको की खदान में मिला मगरमच्छ का पूर्वज

वाशिंगटन

साल 2006 में अमेरिका के न्यू मैक्सिको की एक खदान में मगरमच्छ का पूर्वज मिलने का दावा वैज्ञानिकों ने किया है। इस विचित्र जीव का नाम लैब्रूजास्यूकस एक्सपेक्टेटस रखा गया है। वैज्ञानिकों ने ऐसे अद्भुत प्राचीन जीव की पहचान की है जो देखने में मगरमच्छ से बिलकुल अलग था। यह जीव लगभग 212 मिलियन साल पहले लेट ट्रायसिक काल में धरती पर मौजूद था और यह मगरमच्छ के परिवार का ही हिस्सा था, लेकिन इसकी शारीरिक बनावट और चलने का तरीका आज के खूंखार मगरमच्छों से बहुत भिन्न था। स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी के पेलियोन्टोलाजिस्ट एलन टर्नर, जो इस अध्ययन के प्रमुख लेखक हैं, ने इस जीव की स्थिति साफ करते हुए साइंटिफिक अमेरिकन को बताया कि यह आधुनिक घड़ियाल और मगरमच्छों का सीधा पूर्वज नहीं था, बल्कि इसे मगरमच्छों का एक बहुत दूर का चचेरा भाई माना जा सकता है। यह विकास की एक अलग

शाखा थी जिसने शुवोसार नाम के जीवों को जन्म दिया, जो प्राचीन मगरमच्छ के रिश्तेदार थे। इनका शरीर क्रेटेशियस काल के डायनासोरों से काफी मिलता-जुलता था; ये दो पैरों पर चलते थे, छरहरे थे और इनकी चोंच में दांत नहीं होते थे।

एलन टर्नर के अनुसार, शुवोसार इस कन्वर्जेंट इवोल्यूशन (अभिसारी विकास) का एक शानदार उदाहरण हैं, जहाँ दो बिल्कुल अलग वंशावली वाले जीवों ने जीवित रहने के लिए एक जैसे तरीके अपनाए। मगरमच्छ के रिश्तेदारों के लिए दो पैरों पर चलना एक अनोखा रास्ता था, ठीक वैसे ही जैसे डायनासोर और बाद के पक्षियों ने भी यही रास्ता अपनाया था। यह तरीका स्पष्ट रूप से काफी सफल रहा, जिसके चलते ये जानवर लंबे समय तक धरती पर जिंदा रहे। इस नए जीव का नाम उत्तरी न्यू मैक्सिको के घोस्ट रेंच से पड़ा है, जो दशकों से जीवाश्मों का केंद्र रहा है। इस रेंच का पुराना स्पेनिश नाम रैंचोस डी लास ब्रुजोस है, जिसका अर्थ चुड़ैलों का रेंच होता है। इसी से इस जीव के नाम का पहला हिस्सा लैब्रूजा (चुड़ैल) लिया गया है, और इसके साथ ग्रीक शब्द स्यूकस (मगरमच्छ) जोड़ा गया है।

प्रजाति का नाम एक्सपेक्टेटस इसलिए रखा गया क्योंकि पेलियोन्टोलाजिस्ट्स को इस इलाके में पहले ही दो अन्य शुवोसार मिल चुके थे, एक पुराना और एक नया, और वे इनके बीच के समय के जीव की उम्मीद कर रहे थे। नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम आफ लास एंजिल्स काउंटी के नाथन स्मिथ ने बताया, ट्रायसिक काल के शुरुआती और बाद के शुवोसार मिलने से हमें पेलियोन्टोलाजिस्ट्स को एक उम्मीद थी कि इनके बीच के समय का भी कोई जीव जरूर होगा। इस खोज में पैर और बांह की हड्डियां, रीढ़ के हिस्से और अन्य टुकड़े मिले हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, लैब्रूजास्यूकस पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में कम से कम 10 मिलियन सालों तक ऐसा ही रहा। यह खोज उस समय के जानवरों के शरीर में होने वाले बदलावों को समझने में मदद करती है। लैब्रूजास्यूकस अब दुनिया भर में चौथा और उत्तरी अमेरिका में तीसरा पहचाना गया शुवोसार है। इससे पहले टेक्सास और अर्जेंटीना में भी इसके नमूने मिल चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आप–को आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 जून 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 09:41 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु दोपहर 01:38 तक
योग : ध्रुव रात्रि 08:51 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:14 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 08:14 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41(तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 ,सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रंभा व्रत , महाराणा प्रताप जयंती , मोहरम हिजरी सन् 1448 आरंभ

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न 205 लोगों ने उठाया लाभ

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आयोजित 199वां विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर रविवार, 14 जून 2026 को महबूबगंज, सिद्दीअंबर बाजार स्थित अग्रवाल भवन में संपन्न हुआ। यह शिविर आंध्र प्रदेश ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के सौजन्य से आयोजित किया गया। मंच के प्रचार–प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि शिविर का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, उमाशंकर गोयनका, डॉ. आशीष तोदी सहित मंच के पदाधिकारी तथा एसोसिएशन के अध्यक्ष शेख करीमुल्ला, विवेक थोलिया, साईं श्रेष्ठा जाधव व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। शिविर में केयर हॉस्पिटल, नामपल्ली के डॉक्टरों ने ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, 2् इको, हृदय, हड्डी, महिला एवं बाल रोगों की जांच की। स्वरूप आई केयर सेंटर, आबिड्स ने 5 मरीजों को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया। वासवी फिजियो–थेरेपी, एशियन ईएनटी केयर, डॉ. क्रांति जे (त्वचा रोग), डॉ. आई. राज्यलक्ष्मी (होम्योपैथी), श्री सत्यनारायण गोयल (टच हील) और बाल गोविंद हरी रॉय हेल्थ केयर (एक्यूप्रेशर) ने भी सेवाएं दीं। भवानी ग्रुप, कोठी ने निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। कुल 205 स्थानीय लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। समापन पर विनोद अग्रवाल ने सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की 41वीं बैठक सम्पन्न, दो परिवारों का सम्मान

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की 41वीं बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विवाह योग्य युवक–युवतियों के अभिभावकों ने भाग लेकर अपने बच्चों के लिए उपयुक्त बायोडाटा का अवलोकन किया तथा संभावित वैवाहिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न परिवारों से संपर्क स्थापित किया।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि मैरेज डेटा कमेटी के माध्यम से जुड़े दो परिवारों ने गत सप्ताह अपने बच्चों की सगाई सफलतापूर्वक सम्पन्न की है। इस सुखद अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने दोनों परिवारों का सम्मान करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं।

उन्होंने कहा कि मैरेज डेटा कमेटी समाज के परिवारों को एक प्रभावी मंच उपलब्ध करा रही है, जिसके माध्यम से अनेक योग्य रिश्ते तय हो रहे हैं तथा परिवारों को उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है।

समाज के केंद्रीय कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल ने भी दोनों परिवारों को बधाई देते हुए उनके बच्चों के उज्ज्वल एवं सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। उन्होंने मैरेज डेटा कमेटी के सदस्यों के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समिति समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

इस अवसर पर सिकंदराबाद अग्रवंशी शाखा के पदाधिकारियों दीपक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, कपिल तथा सुनील चोखानी ने भी मैरेज डेटा कमेटी को उसकी सफल बैठकों एवं समाजहित में किए जा रहे कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समिति भविष्य में भी इसी प्रकार समाज के परिवारों को लाभान्वित करती रहेगी।

बैठक में मैरेज डेटा कमेटी के वाइस चेयरमैन पंकज संघी, गोविंदराम अग्रवाल, संतोष चोखानी, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, रानी मित्तल, शीतल रूंगटा सहित अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने समिति की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक परिवारों तक इसकी सेवाएं पहुंचाने के संबंध में विचार–विमर्श किया।

राधे–राधे ग्रुप का सेवा कार्य हर किसी के बस की बात नहीं : गोपाल चंद्र गुप्ता

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर गोपाल चंद्र गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण, निष्ठा और निरंतरता के साथ सेवा कार्यों का संचालन कर रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्वार्थ और दिखावे के प्रतिदिन जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना तथा उनके चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाने का प्रयास करना हर किसी के बस की बात नहीं है। ऐसे कार्यों के लिए दृढ़ संकल्प, सेवा भावना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की आवश्यकता होती है।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से अन्नदान, गौसेवा, धार्मिक एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों का संचालन किया जाता है। ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर गोपाल चंद्र गुप्ता, निर्मला गुप्ता, विशाल गुप्ता, शिल्पा गुप्ता, उमाकांत, उमा, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, प्रकाश अग्रवाल, हरीश हिंदुजा, संजय गुप्ता एवं मनीष अग्रवाल उपस्थित रहे।

आधा जून बीता, मदनूर मंडल में बारिश नहीं, खरीफ बुवाई लेट, किसान चिंतित

मदनूर, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जून का आधा महीना बीतने के बावजूद संयुक्त मदनूर मंडल में संतोषजनक बारिश नहीं हुई है। इससे खरीफ की बुवाई में देरी हो रही है और किसानों में चिंता का माहौल है।किसानों ने एहतियातन बीजों का अतिरिक्त भंडार घरों में रखा हुआ है, लेकिन समय पर बारिश न होने से खेत तैयार होने के बावजूद बुवाई अटकी है।

पानी की कमी को देखते हुए कई किसान लंबी अवधि की फसलों की जगह कम अवधि वाली फसलें ‑ मूंग, उड़द, तिल, बाजरा, सूरजमुखी और चना ‑ की ओर रुख कर रहे हैं, जो कम पानी में जल्दी तैयार हो जाती हैं।

लगातार सूखे से खेतों के साथ–साथ पशुओं के लिए चारे–पानी का संकट भी गहराने लगा है।

नकली बीज बेचने पर लाइसेंस रद्द की चेतावनी

मदनूर, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल कृषि अधिकारी राजू ने मंगलवार को मदनूर में बीज, उर्वरक और कीटनाशक की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिया कि मानसून सीजन के लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज ही उपलब्ध कराएं। नकली बीज बेचने पर कड़ी कार्रवाई कर लाइसेंस रद्द किया जाएगा। उर्वरक एमआरपी पर ही बेचने, उच्च गुणवत्ता वाले कीटनाशक रखने और हर बिक्री की पक्की रसीद देने को कहा गया। दुकानों में स्टॉक बोर्ड, बिल बुक और इनवॉइस अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए गए। किसानों से अपील की गई है कि अधिक कीमत वसूलने वाले दुकानदारों की शिकायत तुरंत कृषि अधिकारियों से करें।

सामूहिक साक्षरता अभ्यास कार्यक्रम आयोजित

डोंगली, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय, डोंगली में मंगलवार सुबह पूर्व–प्राथमिक और कक्षा एक में प्रवेश लेने वाले बच्चों के लिए सामूहिक साक्षरता अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम बाल शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास और प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश की देखरेख में हुआ। इसमें विद्यालय के शिक्षण दल के साथ मंडल शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास, सार्वजनिक शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश और बाल शिक्षा अधिकारी मारुति ने भाग लिया।

अधिकारियों ने नए प्रवेशी बच्चों को प्रारंभिक अक्षर ज्ञान और सामाजिक साक्षरता का अभ्यास कराया।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का वार्षिकोत्सव कल

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्र महिला मंच तेलंगाना का वार्षिकोत्सव 18 जून को सिकंदराबाद के पैराडाइज स्थित अग्रसेन बैंक्वेट में सुबह 11:15 से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित होगा।

मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इससे पूर्व कार्यकारिणी की आम सभा मधु गोयल के निवास दोमलगुड़ा पर हुई। वार्षिकोत्सव में समय पर आने वाली सदस्यों के लिए निःशुल्क तंबोला, स्वागत में शीतल पेय और स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था रहेगी। साथ ही अनेक सरप्राइज गेम्स और पुरस्कार रखे गए हैं। इस अवसर पर मंच का नया सत्र 2026–27 प्रारंभ होगा। कोई भी अग्रवाल महिला सदस्य बन सकती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति की मंत्री श्रीमती सीमा जैन (सीए) रहेंगी।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक आज सिकंदराबाद स्थित कार्यालय में चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल के सानिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति की गतिविधियों, वैवाहिक परिचय अभियान तथा समाज के अधिकाधिक परिवारों को जोड़ने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल ने समिति के उद्देश्यों एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए समाजहित में संचालित बायोडाटा सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों को विभिन्न बायोडाटा की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें समाज के योग्य युवक–युवतियों के वैवाहिक परिचय कार्य में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया गया। बैठक में अरविन्द गोयल, सत्यनारायण मोदी, शिवराज अग्रवाल, संतोष देवी बंसल, पुरुषोत्तम सिंघल, वीरेंद्र अग्रवाल, केशव संघी, विकास केजरीवाल, मुकेश बंसल, डिंपल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, यश अग्रवाल, महेश गुप्ता, शोभा अग्रवाल, शिव कुमार, नरेश अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बरसात से पहले सफाई–ड्रेनेज के दिए निर्देश

निजामाबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार सुबह निजामाबाद शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण, महापौर कुरगायला उमारानी, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार और स्थानीय पार्षद बंटू प्रीति प्रवीण ने डिवीजन–34 का दौरा कर समस्याओं का जायजा लिया। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ मिर्ची कंपाउंड, गोदाम रोड, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, कुमार गली, देवी रोड, मारवाड़ी गली, अशोक नगर, रामगोपाल वीथि और रेलवे गेट सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। बरसात को देखते हुए ड्रेनेज निकासी और पेयजल आपूर्ति की जांच की गई। विधायक और महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रोजाना सफाई सुनिश्चित हो, जहां कलवर्ट की जरूरत है वहां काम तेज हो। गांधीगंज कमान के पास निर्माणाधीन ड्रेनेज का कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष सड़क कार्य शीघ्र पूरा कर जनता के लिए खोलने को कहा गया। इस अवसर पर भाजपा नेता पवन कुमार मुंदड़ा, प्रताप सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

नॉलेज टुडे, सक्सेस टुमॉरो थीम पर हिमायतनगर ज्ञानशाला में पीटीएम आयोजित

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिमायतनगर ज्ञानशाला में विशेष पेरेंट्स–टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। नॉलेज टुडे, सक्सेस टुमॉरो ध्येय वाक्य के साथ हुए कार्यक्रम में बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा और आंचलिक संयोजक सरोज लोढ़ा उपस्थित रहीं। संयोजन प्रेम संचेती ने किया। शुभारंभ हर्षलता दुधोड़िया द्वारा रचित स्वागत गीतिका से हुआ। बैठक में अभिभावकों ने ज्ञानशाला के प्रयासों की सराहना की और बताया कि जुड़ने के बाद बच्चों की दिनचर्या, अनुशासन और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आया है। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

मुख्य आकर्षण 'धार्मिक तंबोला' रहा, जिसका संचालन क्षेत्रीय सह–संयोजक वीनू नाहटा, इकाई संयोजक विनीता बोथरा और अंजू गोलछा ने किया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कविता, अंकिता, पूनम, सुचिता, निधि, प्रेम सुराणा, शिल्पा, डिंपल और अर्पणा का विशेष सहयोग रहा। अंत में अल्पाहार के साथ समापन हुआ।

बालिका आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण

निजामाबाद, 16 जून (शुभलाभ ब्यूरो)। जिलाधीश इला त्रिपाठी ने

मंगलवार को डिचपल्ली मंडल के सुद्दापल्ली स्थित समाज कल्याण बालिका आवासीय विद्यालय का औचक दौरा किया। उन्होंने सबसे पहले स्टाफ हाजिरी रजिस्टर जांचा, फिर रसोई, छात्रावास और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया। छात्राओं को मिली निःशुल्क किताब–कॉपियों की जानकारी ली और मध्याह्न भोजन के चावल–दाल की गुणवत्ता परखी। जिलाधीश ने मेनू का सख्ती से पालन, पौष्टिक भोजन, स्वच्छता और बरसात को देखते हुए किचन–डाइनिंग हॉल व परिसर की साफ–सफाई के निर्देश दिए। छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, लंबे समय से अनुपस्थित छात्राओं के कारण पता करने और उन्हें अभिभावकों से संपर्क कर वापस लाने को कहा। उन्होंने लंबित कार्यों की समीक्षा कर इंजीनियरिंग अधिकारियों को ड्रेनेज निर्माण तुरंत शुरू करने और सभी मूलभूत सुविधाएं शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया।

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है

वास्तव में गुरु की महिमा का पूरा वर्णन कोई कर सकता ही नहीं । गुरु की महिमा भगवान से भी अधिक है । इसलिये शास्त्रौं मैं गुरु की बहुत महिमा आयी है । परंतु वह महिमा सच्चाई की है, दम्भ-पाखण्ड की नहीं । आजकल भारत में सांसारिक अथवा पारमार्थिक ज्ञान देने वाले व्यक्ति को गुरु कहा जाता है। इनकी पांच श्रेणिया हैं। शिक्षक - जो स्कूलों में शिक्षा देता है। आचार्य - जो अपने आचरण से शिक्षा देता है। कुलगुरु - जो वर्णाश्रम धर्म के अनुसार संस्कार ज्ञान देता है। दीक्षा गुरु - जो परम्परा का अनुसरण करते हुए अपने गुरु के आदेश पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए मंत्र दीक्षा देते हैं। गुरु -वास्तव में यह शब्द समर्थ गुरु अथवा परम गुरु के लिए आया है। गुरु का अर्थ है भारी. ज्ञान सभी से भारी है अर्थात महान है अत: पूर्ण ज्ञानी चेतन्य रूप पुरुष के लिए गुरु शब्द प्रयुक्त होता है, उसकी ही स्तुति की जाती है। नानक देव, त्रेलंग स्वामी, तोतापुरी, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, स्वामी समर्थ, साईं बाबा, महावातर बाबा, लाहडी महाशय, हैडाखान बाबा, सोमबार गिरी महाराज, स्वामी शिवानन्द, आनंदमई माँ, स्वामी बिमलानंदजी, मेहर बाबा आदि सच्चे गुरु रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु शिक्षक का होना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है । यही सूत्र अध्यात्म के क्षेत्र में भी लागू होता है । 'अध्यात्म' सूक्ष्म-स्तरीय विषय है, अर्थात बुद्धि की समझ से परे है । इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत मार्गदर्शक अथवा गुरु कौन हैं, यह निश्चित रूप से पहचानना असंभव होता है । किसी शिक्षक अथवा प्रवचनकार की तुलना में गुरु पूर्णत: भिन्न होते हैं । हमारे इस विश्व में वे आध्यात्मिक प्रतिभा से परिपूर्ण दीपस्तंभ-समान होते हैं । वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं ।

यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पडे, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पडेगा । हम जीवन में आगे नहीं बढ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पडें । जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्वके विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है ।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है । अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं । एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है । आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेंद्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं । गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं । आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं । जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंर्तगत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं । ईश्वर के ये विविध अंग ब्रहमांड में विशिष्ट कार्य करते हैं । जिस प्रकार किसी सरकार के अंर्तगत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं । इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं । यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है । इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोडता है । गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं । ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्त्वपूर्ण हैं । जिनमें आध्यात्मिक उन्नति की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है । गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है । इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और रु के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है । रु शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटाता) है । संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अं:धकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं ।

संत अपने लिए नहीं जीता

संतों को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वह अपनी साधना से प्रकृति में फैली ऊर्जा का संग्रह करता है। अपनी इस संग्रहित ऊर्जा से अपने भक्तों का कल्याण करता है। इसलिए संतों के संपर्क में रहने वाला व्यक्ति स्वस्थ और शांत रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि दुष्ट वृत्ति वाला मनुष्य भी संतों के संपर्क में रहे तो वह उदार आचरण वाला बन जाता है। इसीलिए संतों के संपर्क में रहने वाला, उनका आशीर्वाद ग्रहण करने वाला दीर्घायु और स्वस्थ रहता है। संतों को इसीलिए पूजा जाता है कि वे इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अपनी ऊर्जा से निरंतर दूसरों को जीवनी शक्ति प्रदान करते रहते हैं।

वे राग, द्वेष से ऊपर होते हैं। इसीलिए समाज में लोग संतों को आदर देते हैं और गुरु रूप में संत की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि संत अपने लिए नहीं जीता। उसका अपना कुछ होता ही नहीं, उसका सब कुछ समाज का होता है। वह न अपने सुख से सुखी होता है और न अपने दुख से दुखी होता है। कहते हैं कि संत का हदय तो मक्खन से भी अधिक कोमल होता है। वह दूसरे के दुख से भी दुखी हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसका न तो अपना दुख होता है और न सुख होता है। उसका 'स्वयं' विसर्जित होकर 'पर' बन जाता है इसलिए समाज में संतों को सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। देव ऊर्जा का अर्थ है- दिव्य आत्माओं के संपर्क में रहकर ऊर्जा ग्रहण करना। देवता का अर्थ है, जो दिव्य हो, जिसमें अनंत दिव्यता हो, उन्हीं दिव्य आत्माओं को भगवान कहते हैं। भगवान का अर्थ है-भगवान। भग में ऐश्वर्य, यश, श्री, आयु, ज्ञान, वैराग्य और सौभाग्य रहता है। इतने गुण जिनमें हों, उसे भगवान कहते हैं। इसीलिए हम इन दिव्य आत्माओं की पूजा करते हैं ताकि उनकी दिव्यता की ऊर्जा हमें प्राप्त हो।

इनकी यही दिव्यता आशीर्वाद रूप में हमें प्राप्त होती है। इसी दिव्यता शब्द से देवता बना है। जो संपूर्ण रूप से दिव्य हो। इसी कारण हम उनकी ऊर्जा ग्रहण करते हैं। उनकी ऊर्जा जब हमारे शरीर में प्रवेश करती है, तो हमारे शरीर की जडता मूलक ऊर्जा दिव्य ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। मंदिरों में बैठकर हम उसी दिव्य ऊर्जा को धारण करते हैं। देवता, मंदिर की मूर्ति और गुरु इन तीनों से ऊर्जा ग्रहण करने का विधान है।

क्या है आध्यात्मिकता

लोग आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन मानते है। लोगों में भ्रामक धारणा है कि आध्यात्मिक जीवन में आनंद लेना वर्जित है और कष्ट झेलना जरूरी है। जबकि सच्चाई यह है कि आध्यात्मिक होने के लिए आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या मत से कोई संबंध नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिक होने का मतलब है, भौतिकता से परे जीवन का अनुभव कर पाना। अगर आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं।

बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद की स्थिति का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं।

आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं ही अपने आनंद का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता मंदिर, मस्जिद या चर्च में नहीं, बल्कि आपके अंदर ही घटित हो सकती है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। यह उनके लिए है, जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवंतता के साथ जीना चाहते हैं। अस्तित्व में एकात्मकता व एकरूपता है और हर इंसान अपने आप में अनूठा है। इसे पहचानना और इसका आनंद लेना आध्यात्मिकता का सार है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है, चाहे वह काम झाड़ू लगाना ही क्यों न हो। किसी भी चीज को गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गो को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोडकर खडी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोडा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वात्म कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड जाते हैं या मर जाते हैं। मारने के लिए कोई यमराज डंडा लेकर नहीं आता। हमारा दुष्कर्म ही डंडा लेकर हमें धीरे-धीरे मारता रहता है। ऐसा नहीं होता तो लोग शराब पीकर या अन्य मादक पदार्थ खाकर कैसे मरते। यमराज को तो ऐसे लोगों का नाम पता भी मालूम नहीं है, लेकिन लोग मरे चले जा रहे हैं। इन सबके पीछे प्रबल कारण है 'अज्ञान'। अज्ञान का अर्थ है जागरूकता का अभाव। ऐसा संतों का मानना है। जागरूक व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होता। भगवान बुद्ध कहते हैं, 'जो भी करते हो होशपूर्वक करो'। होशपूर्वक किया गया कोई भी काम अनैतिक नहीं होता। इसलिए मनुष्य अगर दुखी है, चिंताग्रस्त और उदास है तो उसका कारण वह स्वयं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि किसी ने भी उसे दुखी, चिंताग्रस्त और उदास होने के लिए नहीं कहा है कि वह दुखी होना चाहता है इसलिए वह दुखी है।

जो सुखी रहना चाहता है वह सुखी है। बीमार भी वही पडता है जो बीमार होना चाहता है। कुछ लोगों को तो बीमार होने पर दूसरों की सहानुभूति पाने में सुख मिलता है। ऐसे लोग अपनी छोटी बीमारी को भी बडी बीमारी बताते हैं। ऐसे बहुत से लोग हमारे समाज में हैं, जो अपने छोटे दुखों को बढा-चढाकर दूसरों की सहानुभूति प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। 'लोकधर्म' ही 'प्रेमधर्म' है। शिवलिंग में शिव को मत देखें। प्रेम के रस में पगी भक्ति की नजर से देखने पर ही सर्वत्र शिव की छवि दिखाई देती है।

प्रेम ऊपर चढे तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। परमात्मा को धर्मालयों में बंद मत करें। आखिर सभी के हदय में प्रेम की ही ज्योति दीप्तिमान है। एक समान भाव ही प्रेम का धर्म है, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति एकता के आनंद में होती है। यही प्रेम असीम-ससीम का, निर्गुण-सगुण का, शक्ति-सौंदर्य का और रूप-रस का मंजुल समन्वय है।

प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे संसारी प्रेम हो या परमार्थी। 'अनासक्ति' ही प्रेम का धर्म है, जहां प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम में केवल देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम करते समय यह अहंकार भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम को तिजारत न बनने दें।

ध्यान रहे कि फूल खिलता है दूसरों को आनंद देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। एक आप हो कि बिना मतलब के प्रेम करना ही नहीं जानते। प्रेम आकर्षण है और द्वेष विकर्षण। प्रेम आनंद है और द्वेष दुख। प्रेम अद्वैत है और द्वेष द्वैत। प्रेम सहकार है और द्वेष विखराव। जहां प्रेम है वहां विकास है और जहां द्वेष है वहां पतन। हदय में प्रेम का उदय होते ही भीतर दैवी परिवर्तन होने लगता है और जीवन-धारा ही बदल जाती है। तुच्छ, अशिव और असुंदर को विराट, शिव और सुंदर बनाने के लिए सृष्टि में प्रेम का अवतरण हुआ है।

वासनात्मक प्रेम वस्तुत: दैवी प्रेम की सतह पर गंदी काई की तरह है, जिसके आवरण में दिव्य प्रेम का पावन जल छिपा हुआ है। प्रेम आनंद है और जीवन इस आनंद का अविराम अनुसंधान है।

हमारा सारा प्रेम शुभ के लिए है। हम वस्तु से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित शुभ से प्रेम करते हैं। प्रेम जीवन का आधार है। इसके बिना हमारा समाज नहीं चल सकता। प्रेम ही मानवता का सबसे बडा गुण है।

प्रेम जब सच्च और सकारात्मक भाव लिए हो तो उससे प्रबल भावना कोई और नहीं हो सकती। प्रेम ही हमें एक-दूसरे के प्रति समर्पित होने का अवसर देता है। प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है।

कौन है नायक

कुछ साल पहले की बात है। न्यूयॉर्क के मैनहटन स्टेशन पर वेस्ली ऑट्री अपनी क्रमश: चार और छह वर्ष की बेटियों के साथ ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रेन सामने से आ रही है, तभी उनके पास खडा एक मुसाफिर अचानक गश खाकर रेलवे ट्रैक पर गिर पडा। वेस्ली ने आव देखा न ताव, इंजन के सामने छलांग लगा दी और उस मुसाफिर को ट्रैक के बीच बनी गहरी नाली में खींच लिया।

ट्रेन के अचानक ब्रेक लगे, लेकिन वह रुक नहीं पाई। पांच डब्बे उनके सिरों को छूते हुए ऊपर से गुजर गए। मिर्ती से लथपथ अपनी टोपी उतारते हुए वेस्ली ने तेज आवाज में कहा, 'मेरी दोनों बेटियों को बता दो कि उनके पापा ठीक हैं'। भीड में सभी हैरानी और खुशी जता रहे थे और वेस्ली की सराहना कर रहे थे।

गश खाकर गिरने वाला मुसाफिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी का छात्र था और उसे दौरे पडने की शिकायत थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे मामूली चोट और खरोंचें ही आई थीं।

जब उस छात्र ने वेस्ली का आभार जताया, तो उन्होंने कहा, 'मैंने कोई बडा कारनामा नहीं कर दिखाया है। तुम्हें उस समय मदद की जरूरत थी और मैं जो कर सकता था, वह किया।' कथा-मर्म : नायक वही है, जो किसी की भलाई के लिए जितना कर सकता हो, उतना जी-जान से करे।

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है

रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी संभव है। रुद्राक्ष से रोगों का उपचार करने के तरीके हमारे धर्मग्रंथों और चिकित्सा आधारित ग्रंथों में उल्लेखित हैं। उन्हीं में से कुछ उपाय यहां दिए जा रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। हालांकि इसके साथ चिकित्सकीय जांच भी जरूर करवाते रहें। चारमुखी रुद्राक्ष को दूध में उबालकर सुबह खाली पेट पीने से स्मरण शक्ति तेज होती है। सोमवार के दिन त्रिशूल के आकार का लॉकेट धारण करने से बुद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। यदि आपके आमाशय में किसी तरह का विकार हो तो तांबे के किसी पात्र में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुन: यह करें। जब तक रोग ठीक न हों करते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेशर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विर्श्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियां भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अंधविर्श्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पाँच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विर्श्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरना: सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिाया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफ्टेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबराते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित: व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पडने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस: कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिंक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंप्यूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकेंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंग: इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग विर्श्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फइतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ सेंस की प्रमाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभव: जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरा है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अंधविर्श्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों को बताने से डरते हैं। अध्यात्म से जुडे लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बींसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरदुथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

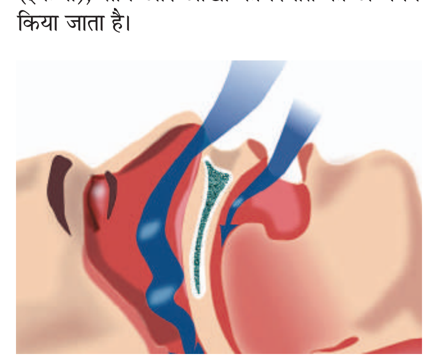

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेश्ठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

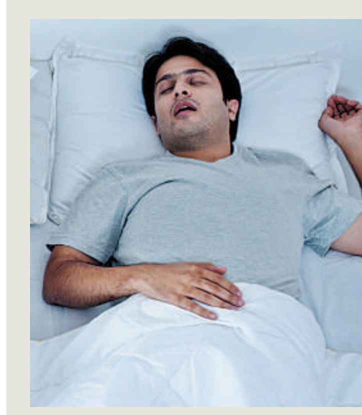

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

समझौता तय, लेकिन कब?

राष्ट्रपति ट्रंप का बीती 14 जून को जन्मदिन था। वह 80 वर्ष के हो गए हैं। फिर भी उन्हें शुभकामनाएं देने और उनके लिए दुआएं करने का मन नहीं है। बेशक वह 'सुपर पॉवर' अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, लेकिन मानसिकता से वह एक शातिर, मुनाफाखोर व्यापारी हैं, वैश्विक आक्रांता हैं, कब्जेबाज हैं, सनकी और अस्थिर भी हैं तथा दुनिया को उपनिवेश मानने वाले नेता हैं। चूंकि अब ईरान युद्ध पर समझौते के आसार बार-बार उभर रहे हैं, लिहाजा माना जा सकता है कि युद्ध समाप्ति की ओर है। यह स्थिति करीब 110 दिन के बाद लग रही है। राष्ट्रपतिट्रंप का अहंकार, उनकी अकड़ समझ में आती है, क्योंकि वह किसी भी देश को मिट्टी-मलबे में तबदील करने की सामरिक ताकत रखते हैं। ईरान का अधिकांश हिस्सा खंडहर हो चुका है। सरकारी ही सही, सार्वजनिक आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि युद्ध के दौरान ईरान में 3636 मौतें हो चुकी हैं, करीब 26,500 घायल हुए हैं, ईरान के 155 नौसेना जहाज और हजारों ड्रोन अमरीकी सेना ने तबाह कर दिए हैं, हजारों मिसाइल हमलों में खर्च हो चुकी हैं, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40-45 शीर्ष नेता और मंत्री, विभिन्न कमांडर, सलाहकार आदि एक ही हमले में मार दिए गए थे। एक अमरीकी डॉलर की कीमत 13.75 लाख रियाल से अधिक है, महंगाई दर 77 फीसदी को पार कर चुकी है, आईएमएफ के मुताबिक, ईरान की जीडीपी में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। भुखमरी के पूरे आसार हैं, क्योंकि लोगों को ॠण लेकर अंडा, चिकन, भोजन का बंदोबस्त करना पड़ रहा है। वहां 'ईएमआई पर भोजन' के बिलबोर्ड लगे हैं। ऐसे हालात के बावजूद ईरान समझौते को लेकर जिद और खोखला अहंकार दिखा रहा है। अद्भुत और आश्चर्य.... ! उसे सोचना चाहिए कि युद्ध के कारण दुनिया में आर्थिक मंदी, ऊर्जा और खाद्य-संकट के हालात बन रहे हैं। हैरानी की बात है कि ईरान का एक तबका सडक़ों पर, विदेश मंत्रालय के दफ्तर के सामने, विरोध-प्रदर्शन पर उतर आया है। ये सामूहिक नारे भी लगा रहे हैं कि समझौते के पैरोकारों-विदेश मंत्री अरागची और संसद स्पीकर कालीबाफ- को 'मौत' दी जाए। उन्होंने अमरीका के सामने सरेंडर किया है ! ऐसा आभास होता है कि ईरान के कट्टरपंथी चेहरे फिलहाल युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर नहीं हैं, लिहाजा वे ऐसे विरोध-प्रदर्शनों को भडक़ा रहे हैं ! बहरहाल राष्ट्रपतिट्रंप अपने जन्मदिन का तोहफा तो नहीं ले सके, क्योंकि ईरान समझौते की तारीख को अभी खारिज कर रहा है। अब नई तारीख 19 जून सामने आई है। खबर है कि उस दिन स्विट्जरलैंड में डील पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। वैसे इसी दौरान प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'रॉयटर्स' ने ईरान के वरिष्ठ अधिकारी के सौजन्य से समझौते के कुछ बिंदु सार्वजनिक किए हैं। मसलन-ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही परमाणु अस्त्र हासिल करने की कोशिश करेगा। ईरान धीरे-धीरे सर्वंर्धित यूरेनियम को कम करेगा। होर्मुज को खोला जाएगा, लेकिन अमरीका को पहले सैन्य नाकेबंदी हटानी होगी। अमरीका कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा, बल्कि ईरान को कच्चा तेल निर्यात करने की छूट देगा। रॉयटर्स का यह भी दावा है कि अमरीका ईरान की 24-25 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों को जारी करेगा। समझौता होने के बाद 60 दिनों के अंतराल में अमरीका और ईरान आपस में बातचीत करेंगे और विवादों को आसान करने की कोशिश करेंगे। आश्चर्य है कि जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर 28 फरवरी, 2026 को ईरान पर हमला किया था और युद्ध थोपा था, उस इजरायल को समझौते और संवाद की प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। हालांकि ईरान की प्रमुख मांग रही है कि लेबनान और गाजा में इजरायली हमले बंद कराए जाएं, लेकिन लगता है कि इजरायल ने अमरीका की बात माननी भी बंद कर दी है। बहरहाल यह समझौता अमरीका और शेष विश्व के हित में भी है, क्योंकि युद्ध में अमरीका का भी 2.4-3.3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। उसके लड़ाकू विमान, वायु रक्षा प्रणालियां, रडार, ड्रोन आदि भी ईरान ने तबाह किए हैं। खाड़ी देशों में अमरीका के सैन्य बेस भी विनष्ट किए गए हैं, लिहाजा अमरीका की 'सुपर पॉवर' वाली छवि सवालिया हुई है।

बेशक वह 'सुपर पॉवर' अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, लेकिन मानसिकता से वह एक शातिर, मुनाफाखोर व्यापारी हैं, वैश्विक आक्रांता हैं, कब्जेबाज हैं, सनकी और अस्थिर भी हैं तथा दुनिया को उपनिवेश मानने वाले नेता हैं। चूंकि अब ईरान युद्ध पर समझौते के आसार बार-बार उभर रहे हैं, लिहाजा माना जा सकता है कि युद्ध समाप्ति की ओर है। यह स्थिति करीब 110 दिन के बाद लग रही है। राष्ट्रपतिट्रंप का अहंकार, उनकी अकड़ समझ में आती है, क्योंकि वह किसी भी देश को मिट्टी-मलबे में तबदील करने की सामरिक ताकत रखते हैं। ईरान का अधिकांश हिस्सा खंडहर हो चुका है। सरकारी ही सही, सार्वजनिक आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि युद्ध के दौरान ईरान में 3636 मौतें हो चुकी हैं, करीब 26,500 घायल हुए हैं, ईरान के 155 नौसेना जहाज और हजारों ड्रोन अमरीकी सेना ने तबाह कर दिए हैं, हजारों मिसाइल हमलों में खर्च हो चुकी हैं, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40-45 शीर्ष नेता और मंत्री, विभिन्न कमांडर, सलाहकार आदि एक ही हमले में मार दिए गए थे।

कुछ अलग

कॉकरोचों की धर्मनिरपेक्षता

अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष तिलचट्टानंद जी की अध्यक्षता में आयोजित अखिल अंतरराष्ट्रीय कॉकरोच पब्लिक पार्टी (एएसीपीपी) के अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में दूसरा वायदा था- भ्रष्टाचार समाप्त किया जाएगा। इस पर एक वरिष्ठ तिलचट्टा चिंतित हो उठा। उसने कहा, 'भ्रष्टाचार समाप्त हो गया तो गंदगी कहां से आएगी ? और गंदगी नहीं होगी तो हमारा पारंपरिक रोजग़ार नष्ट हो जाएगा।' बहस के बाद प्रस्ताव संशोधित किया गया- 'भ्रष्टाचार समाप्त नहीं किया जाएगा, उसका न्यायपूर्ण वितरण किया जाएगा। इसके बाद किसी भी कॉकरोच को गलती करने पर इस्तीफा नहीं देना होगा। इस्तीफे केवल इनसान देते हैं। कॉकरोचों में इस्तीफे नहीं होते।' कॉकरोचों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी धर्मनिरपेक्षता है। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हिंदू रसोई में रह रहे हैं, क्रिश्चियन रसोई या मुस्लिम रसोई में। वे दलित नाली और सवर्ण नाली में समान श्रद्धा रखते हैं। वे पूंजीवादी कूड़ेदान और समाजवादी कूड़ेदान के बीच कोई भेदभाव नहीं करते। उनके लिए हर गंदगी समान है। यही कारण है कि आज तक कोई कॉकरोच सांप्रदायिक दंगे में शामिल नहीं पाया गया। मनुष्य ने जातियां बनाईं। मनुष्य ने सीमाएं बनाईं। मनुष्य ने धर्म बनाए। कॉकरोचों ने केवल दरारें खोजीं। और सच कहें तो दरारों का उनका ज्ञान मनुष्य के इतिहास-ज्ञान से कहीं अधिक उपयोगी सिद्ध हुआ। कॉकरोचों की एक और विचित्र विशेषता है। उनका सिर काट दीजिए, वे कुछ दिन और जीवित रहते हैं। यह तथ्य सुनकर मुझे अनेक संस्थाओं की याद आती है। कुछ संस्थाओं का विवेक वर्षों पहले काट दिया गया, फिर भी वे आराम से चल रही हैं।

प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था।

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं। इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस

और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे। देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी ₹प्राइम मिनिस्टर₹ या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए 'ऑफिस ऑफ मिनिस्टर' यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने 'नियति से साक्षात्कार' वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था। मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है। रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

देश दुनिया से

प्राकृतिक धरोहर पर मंडराते खतरे

हिमाचल को प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा पर्यावरणीय विविधताओं के लिए देशभर में विशेष पहचान प्राप्त है। हिमालय की गोद में बसा यह पर्वतीय प्रदेश अपनी मनोहारी वादियों, बर्फ से लदे पर्वतों, घने वनों, निर्मल नदियों और शांत वातावरण के कारण विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। प्रदेश की भौगोलिक संरचना अत्यंत विविधतापूर्ण है, जिसके कारण यहां विभिन्न प्रकार की जलवायु देखने को मिलती है। ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जैसे क्षेत्र अपेक्षाकृत गर्म जलवायु वाले हैं, जबकि शिमला, कुल्लू और किन्नौर जैसे क्षेत्र शीतल एवं समशीतोष्ण जलवायु के लिए प्रसिद्ध हैं। दूसरी ओर लाहौल-स्पीति अपनी शीत मरुस्थलीय जलवायु के कारण विशेष पहचान रखता है। यही विविधता हिमाचल प्रदेश को कृषि, बागवानी और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध बनाती है। लेकिन वर्तमान समय में यह प्राकृतिक धरोहर अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनका प्रभाव प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक जीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विगत कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चिंता का विषय बनकर उभरा है। इस वैश्विक समस्या से हिमाचल प्रदेश भी अछूता नहीं रहता। प्रदेश में तापमान में वृद्धि, मौसम चक्र में अनिश्चितता तथा वर्षा और बर्फबारी के स्वरूप में परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पहले जहां सर्दियों में समय पर और पर्याप्त मात्रा में बर्फबारी होती थी, वहीं अब बर्फबारी देर से होती है या कई बार सामान्य से बहुत कम होती है। इसी प्रकार वर्षा का वितरण भी असंतुलित हो गया है। कभी अत्यधिक वर्षा होती है तो कभी लंबे समय तक वर्षा का अभाव बना रहता है। मौसम के इस असंतुलन ने प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव कहीं न कहीं प्रदेश की बागवानी पर पड़ता दिखता है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सेब उत्पादन का महत्वपूर्ण स्थान है और लाखों परिवार

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हुए हैं। सेब की खेती के लिए पर्याप्त शीतकालीन तापमान और निश्चित संख्या में चिलिंग आवर आवश्यक होते हैं, लेकिन बढ़ते तापमान और कम होती बर्फबारी के कारण यह आवश्यकता पूरी नहीं हो पा रही है। परिणामस्वरूप सेब उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। इसके अतिरिक्त असमय ओलावृष्टि किसानों के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। कई बार ओले इतने बड़े और भारी होते हैं कि बागानों की सुरक्षा के लिए लगाए गए एंटी हेल नेट भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और पूरी फसल नष्ट हो जाती है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है तथा उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, प्रदेश में बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं भी पर्यावरणीय असंतुलन का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में एकाएक वृद्धि हुई है तथा अनेक क्षेत्रों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। शिमला में समरहिल के शिव बावड़ी मंदिर हादसा किसी से छिपा नहीं, जहां अत्यधिक वर्षा और भूस्खलन के कारण अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसी प्रकार श्रीखंड महादेव यात्रा मार्ग के समीप बादल फटने की घटनाओं ने कुल्लू जिले के बागीपुल और समेज क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई। मंडी, सिराज, कुल्लू और मनाली सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में आई बाढ़ और भूस्खलन ने सडक़ों, पुलों, घरों और सार्वजनिक संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचाया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है और प्राकृतिक संतुलन में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। इन आपदाओं के पीछे केवल प्राकृतिक कारण ही नहीं बल्कि मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेवार हैं। प्रदेश में विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई, सडक़ निर्माण, भवन निर्माण तथा अन्य आधारभूत परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। यद्यपि विकास किसी भी राज्य की आवश्यकता होती है, लेकिन जब विकास पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी करके किया जाता है तो उसके दुष्परिणाम सामने आने लाजिमी हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में अंधाधुंध कटान और अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण भूमि की स्थिरता कमजोर हो जाती है, जिससे भूस्खलन और भू-क्षरण की घटनाएं बढ़ती हैं। अनेक स्थानों पर नदियों और नालों के किनारे निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित होता है और भारी वर्षा के समय बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इसके अलावा प्रदेश में बढ़ता प्रदूषण भी चिंता का विषय है। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि और वाहनों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी के कारण वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। शिमला, मनाली और धर्मशाला जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सीजन के दौरान यातायात का अत्यधिक दबाव देखा जाता है। वाहनों से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित करता है तथा कार्बन उत्सर्जन को भी बढ़ाता है। वहीं प्लास्टिक कचरा और ठोस अपशिष्ट भी पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

आप का नज़रिया

नड्डा के डायलॉग

भाजपा के फलक से जैसे उदासी छीन ली गई हो और पल भर के लिए अगली सत्ता के सपनों में शहजादे सामने आ गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के एक डायलॉग ने भाजपा नेताओं की कायनात बदल दी। बतौर नड्डा वह पहले हिमाचली, फिर दिल्ली रह कर काम करने के इच्छुक, इसलिए आने वाले मसलों के प्रति जवाबदेही में भविष्य जयराम ठाकुर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर देखेगा। यहीं नड्डा ने ऐसा तीर छोड़ा कि भाजपा की जमात और जुबान हिल गई। मसले बड़े मगर जवाब छोटे निकले, तेरी चौपाल पे आके सारे बेहाल निकले। यहां गजब की सौगात बर्फ की सिल्लियों पर रखी मिली, निरंतरता इतनी कि सारी गर्मी पिघल गई। क्या नड्डा के डायलॉग से भाजपा की सारी बर्फ पिघल जाएगी या बड़े नेताओं की बस्ती में हवाओं के खिलाफ बस यही चिराग जलेगा। जाहिर है नेता प्रतिपक्ष के अधिमान में जयराम का रुतबा इस समय सब पर भारी है और यह भी कि जगत प्रकाश नड्डा अगर हिमाचल में अपनी मौजूदगी घटा रहे हैं, तो सारी जवाबदेही फिलवक्त जयराम के पाले में डाली जा रही है। हिमाचल के लिए भाजपा के सारे फैसले अगर जयराम ठाकुर ही लेंगे, तो इस बोल जगत की पैरवी का अर्थ इस शख्स की उपस्थिति को परवान चढ़ाता है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि एक डायलॉग से बाकी बची महत्त्वाकांक्षा क्षीण हो जाएगी या एक ही झटके में विभिन्न धड़ों की ख्वाहिशें धराशायी हो जाएंगी। फिर कौरव आएंगे पांडवों के सामने, फिर मशाल जलेगी और घोड़े चारों तरफ दायरा बढ़ाएंगे। अब यह राजनीति को चुनना है कि उसे रामलीला करनी है या कुरुक्षेत्र में महाभारत का अलख जगाना है। नड्डा ने आरोपों की धुरी में अपनी ध्वनि को कांग्रेस सरकार की ओर घुमाए रखा, लेकिन पंद्रह सौ करोड़ की आपदा राहत पर न खामोशियां टूटीं और न ही दिल्ली में रचने बसने का फर्ज सामने आया। हिमाचल के कुछ सवाल हैं जो केंद्र से हिमाचली नेताओं का रसूख पूछते हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार इधर खून के घूंट पीकर आरडीजी का विवरण देती है, तो यह गया, वो गया की कहावत में केंद्र को वित्तीय प्रोत्साहन और संघीय ढांचे की बुनियाद पर कोसते हैं। अब कर्मचारियों के हिसाब में ओपीएस जोडक़र सुक्खू सरकार ने गारंटियों की जितनी लाज बचाई, उतनी ही दूरी पर खड़ी भाजपा की केंद्र सरकार के दूत यह बता रहे कि एनपीएस से कहीं आगे उनके शासन में यूपीएस पद्धति का सिहांसन आएगा। यह एक टर्निंग प्वाइंट है, जहां वर्तमान सरकार की दरियादिली से निकली ओपीएस के सामने यूपीएस के रोशन दान लटक रहे हैं। यहां कांग्रेस की ओर से शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्रियों रोहित ठाकुर और राजेश धर्माणी ने बयानबाजी की आंच से जगत प्रकाश नड्डा से तथ्यों पर ठोस उपलब्धियों के कारनामे पूछे हैं। जाहिर तौर पर हिमाचल की आर्थिकी में कई शून्य तैर रहे हैं और इनकी एक वजह केंद्र सरकार के रवैये और संघीय अधिकारों पर बिछी हुई खामोशी है। राजस्व घाटा अनुदान की शून्यता में नड्डा का राग दरबारी यहां उलझ जाता है, क्योंकि आर्थिक दरिद्रता में फंसे राज्य की परवरिश में केंद्र का रवैया बिलकुल प्रतिकूल है, लेकिन जनता अर्थ तंत्र नहीं जानती, वह सडक़ पर गड्ढे, सरकारी बसों की गति पर विराजित बाधाएं, विभिन्न योजनाओं पर छाई सुस्ती और विकास के रेगिस्तान पर राज्य सरकार को दोषों से मुक्त नहीं करती। बहरहाल नड्डा का प्रदेश आगमन जयराम ठाकुर के राजनीतिक सफर को कुछ मंजिलें आगे जरूर ले गया और यही संदेश देकर दिल्ली का दूत वापस लौट गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के एक डायलॉग ने भाजपा नेताओं की कायनात बदल दी। बतौर नड्डा वह पहले हिमाचली, फिर दिल्ली रह कर काम करने के इच्छुक, इसलिए आने वाले मसलों के प्रति जवाबदेही में भविष्य जयराम ठाकुर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर देखेगा। यहीं नड्डा ने ऐसा तीर छोड़ा कि भाजपा की जमात और जुबान हिल गई। मसले बड़े मगर जवाब छोटे निकले, तेरी चौपाल पे आके सारे बेहाल निकले। यहां गजब की सौगात बर्फ की सिल्लियों पर रखी मिली, निरंतरता इतनी कि सारी गर्मी पिघल गई। क्या नड्डा के डायलॉग से भाजपा की सारी बर्फ पिघल जाएगी या बड़े नेताओं की बस्ती में हवाओं के खिलाफ बस यही चिराग जलेगा। जाहिर है नेता प्रतिपक्ष के अधिमान में जयराम का रुतबा इस समय सब पर भारी है और यह भी कि जगत प्रकाश नड्डा अगर हिमाचल में अपनी मौजूदगी घटा रहे हैं, तो सारी जवाबदेही फिलवक्त जयराम के पाले में डाली जा रही है। हिमाचल के लिए भाजपा के सारे फैसले अगर जयराम ठाकुर ही लेंगे, तो इस बोल जगत की पैरवी का अर्थ इस शख्स की उपस्थिति को परवान चढ़ाता है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि एक डायलॉग से बाकी बची महत्त्वाकांक्षा क्षीण हो जाएगी या एक ही झटके में विभिन्न धड़ों की ख्वाहिशें धराशायी हो जाएंगी। फिर कौरव आएंगे पांडवों के सामने, फिर मशाल जलेगी और घोड़े चारों तरफ दायरा बढ़ाएंगे।

दृष्टि कोण

घुसपैठ का निदान है जरूरी

हाल ही में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिलिजन (एसआईआर) की एक प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके अंतर्गत अभी तक कई राज्यों में चुनाव से पूर्व इस प्रक्रिया के माध्यम से किसी विदेशी के मतदाता सूची में गलती से शामिल होने, मृत वोटरों के मतदाता सूची से नाम न हटने, किसी वोटर के एक स्थान से ज्यादा स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने और बार-बार पलायन के कारण मतदाता सूची की कमियों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। स्वाभाविक तौर पर विदेशियों के नाम मतदाता सूची में होने की स्थिति में, एसआईआर प्रक्रिया के कारण उनके नाम स्वयंमेव कट जाते हैं, क्योंकि वे अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते। गौरतलब है कि एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश से 2.9 करोड़, पश्चिम बंगाल से 91 लाख, तमिलनाडु से लगभग 1 करोड़, गुजरात से 68.78 लाख, राजस्थान से 1.7 करोड़, मध्य प्रदेश से 1.7 करोड़, केरल से 1.7 करोड़, छत्तीसगढ़ से 1.7 करोड़, गोवा से 1.7 करोड़ वोट मतदाता सूची से हटाए गए हैं। कुल मिलाकर 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 6.5 करोड़ लोगों को मतदाता सूची से हटाने की सिफारिश हुई और अंत में आपत्तियों के बाद 12 राज्यों और 3 केन्द्रशासित प्रदेशों में कुल मिलाकर 5.2 करोड़ वोटरों को मतदाता सूची से हटाया गया है। हालांकि विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया की पुरजोर खिलाफत हुई, लेकिन अंततोगत्वा सर्वोच्च न्यायालय ने एसआईआर प्रक्रिया को संवैधानिक ठहराते हुए विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। यानी एसआईआर प्रक्रिया पर अब न्यायालय की भी मुहर लग गई है। यह बात सही है कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से नाम हटने के कई अन्य कारण हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को भी इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से बाहर करने का काम किया गया। एसआईआर के माध्यम से हालांकि बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने का काम तो हुआ है, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को देश से

बाहर करने का महत्वपूर्ण कार्य अभी बाकी है। पिछले लंबे समय से भारत के विभिन्न भागों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया में कहीं भी अवैध विदेशी घुसपैठ को अनुमति नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जाता रहा है। गौरतलब है कि अमरीका और यूरोप जैसे विकसित देश अवैध घुसपैठ के खिलाफ न केवल कड़े कानून बना रहे हैं, बल्कि अवैध घुसपैठ से सख्ती से निपटने का प्रयास भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सामान्यतः बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ में एक विशेष वर्ग का बहुतायत है, इसलिए इस मुद्दे पर धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भी लगातार राजनीति होती रही है। यह घुसपैठ उन राज्यों में ज्यादा पनपती है, जहां सत्ताधारी पार्टी इस घुसपैठ को वोट बैंक राजनीति के रूप में इस्तेमाल करती है। हाल ही में भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने अवैध घुसपैठ के मामले और जनसांख्यिकी बदलाव (डेमोग्राफिक चेंज) पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। इसके पीछे की पृष्ठभूमि यह मानी जा रही है कि बांग्लादेश के साथ सांझी सीमा होने और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों को प्रश्रय देने के कारण पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या ने विकराल रूप धारण किया हुआ है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का शासन स्थापित होने के तुरंत बाद इस समिति के गठन के बाद यह स्पष्ट है कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अब सरकार सख्त रुख अपनाने वाली है।

एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 : भारत ने जापान को 2–1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

नार्थ हार्बर नेशनल हाकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल दागे, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल एई हिरामित्सु ने किया।

यह मुकाबला भारतीय मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मुकाबला खेला।

पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित रहा।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई। 33वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर शानदार रणनीति के तहत नवनीत कौर के शाट को निक्की प्रधान ने सही दिशा दी और कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1–0 से आगे कर दिया।

हालांकि जापान ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर हिरामित्सु ने गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया।

निर्णायक चौथे क्वार्टर में भारत को जीत दिलाने वाला गोल 49वें मिनट में आया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया, जिस पर लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अमेरिका और जापान पर जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया।

अब भारतीय टीम अपना अंतिम पूल मुकाबला 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ खेलेगी, जबकि जापान और अमेरिका दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत ए टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम (संशोधित) तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान),प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल राय, अशोक शर्मा।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी

बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का–मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटरों ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था।

फीफा विश्व कप में स्वीडन से 5-1 की हार के बाद ट्यूनीशिया ने कोच बदला, एर्वे रेनार्ड को सौंपी कमान

लास एंजिल्स। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ ने फीफा विश्व कप में स्वीडन के खिलाफ 5–1 की करारी हार

के बाद मुख्य कोच सबरी लामूशी को पद से हटा दिया है। उनकी जगह फ्रांस के अनुभवी कोच एर्वे रेनार्ड को राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फैसले की आधिकारिक घोषणा सोमवार को ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय प्रसारण माध्यम के जरिए की गई। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष मोएज़ नस्सारी ने बताया कि एर्वे रेनार्ड के साथ आधिकारिक समझौता हो गया है और वह वर्ष 2026 विश्व कप के अंत तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। रेनार्ड अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में अपने अनुभव और बड़े टूर्नामेंटों में शानदार रणनीति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के विश्व कप में सऊदी अरब को प्रशिक्षित करते हुए उस समय की सबसे बड़ी उलटफेर वाली जीत दिलाई थी, जब उनकी टीम ने बाद में विश्व विजेता बनी अर्जेंटीना को हराया था। इसके बाद वह फ्रांस की महिला फुटबाल टीम के कोच भी रहे। पूर्व फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सबरी लामूशी ने इसी वर्ष जनवरी में ट्यूनीशिया टीम की कमान संभाली थी, लेकिन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद उनका कार्यकाल जल्द समाप्त हो गया।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रा

लास एंजिल्स

फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबाल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा। इसमें एक ही दिन में चार मैच ड्रा पर समाप्त हुए। यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबाल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा। 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्रा का सिलसिला आधुनिक फुटबाल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई। अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल–रहित ड्रा (0–0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया। स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया। एमम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया। सिएटल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1–1 से ड्रा पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक–एक अंक से संतोष करना पड़ा।

मियामी में खेले गए तीसरे मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जहाँ उरुग्वे को सऊदी अरब के खिलाफ 1–1 से ड्रा से संतोष करना पड़ा। सऊदी अरब ने पहले गोल कर बढ़त बना ली थी, लेकिन मैक्सिमिलियानो अरुजो ने 80वें मिनट में महत्वपूर्ण बराबरी का गोल दागकर उरुग्वे को हार से बचाया। इस ड्रा के साथ, ग्रुप एच में शामिल सभी टीमें – स्पेन, केप वर्डे, उरुग्वे और सऊदी अरब – अब एक–एक पाइंट पर बराबरी पर आ गई हैं, जिससे इस ग्रुप में आगे के मुकाबले और भी दिलचस्प हो गए हैं।

लास एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए दिन के आखिरी और सबसे रोमांचक मैच में, ईरान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2–2 से ड्रा खेला। दोनों टीमों ने मैच में बढ़त ली और गंवाई, जिससे दर्शकों को एक यादगार मुकाबला देखने को मिला, जिसमें अंत तक रोमांच बना रहा। ईरान और न्यूजीलैंड ने भी अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ड्रा के साथ की।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त

लास एंजिल्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–जी के पहले मुकाबले में मंगलवार को ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला 2–2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पूरे मैच में दोनों टीमों ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया और अंतिम क्षण तक जीत के लिए संघर्ष किया। न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए सातवें मिनट में ए. जस्ट के गोल की मदद से बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बाद ईरान ने खेल में वापसी की और 32वें मिनट में आर. रेजाइयान ने गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी।दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने फिर दबाव बनाया और 54वें मिनट में ए. जस्ट ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2–1 से आगे कर दिया। हालांकि ईरान ने हार नहीं मानी और 64वें मिनट में एम. मोहैबी ने गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस परिणाम के बाद ग्रुप–जी पूरी तरह खुला हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती दौर के बाद ईरान, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र सभी समान अंकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा आलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल आलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं।

साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार–बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए।

रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा आलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा।

रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्राफियां जीती हैं और नाकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा। यह दिखाता है कि भारत अपने युवा नेतृत्व को स्थापित करते हुए भी अनुभवी खिलाड़ियों के महत्व को बनाए रखना चाहता है।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी। फीफा विश्वकप फुटबाल में इस बार आस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वालो खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता–पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार आस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबाल खेलना शुरु किया और धीरे–धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबाल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से आस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हाकी इंडिया ने दी बधाई

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम की मिडफील्ड खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूज़ीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हाकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया।

उन्होंने आगे कहा, हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है। मैं आगे भी टीम की सफलता में योगदान देना चाहती हूं और कई और यादगार पल बनाना चाहती हूं।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने ज्योति को बधाई देते हुए कहा, 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है। वह भारतीय महिला हाकी टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं और हर अवसर पर देश के लिए समर्पण के साथ खेली हैं। हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह उपलब्धि दर्शाती है कि ज्योति ने लंबे समय तक लगातार मेहनत और धैर्य के साथ खेल को आगे बढ़ाया है। उनकी यात्रा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखते हैं।

होल्कर स्टेडियम में जबलपुर के शेरों ने भोपाल के तेंदुओं को पछाड़ा

अर्पित और वेदांत के आगे अंश का अर्द्धशतक बेकार; पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन ठोक जबलपुर रायल लायंस ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर हासिल किया 224 रनों का लक्ष्य, भोपाल 5 विकेट से परास्त

इंदौर

होल्कर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ (59 रन, 23 गेंद) और वेदांत अवस्थी (60 रन, 34 गेंद) की आतिशी पारियों के दम पर जबलपुर रायल लायंस ने सोमवार को भोपाल लेपर्ड्स को 5 विकेट से हरा दिया। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग टी–20 सिंधिया कप के 29वें मुकाबले में भोपाल लेपर्ड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जबलपुर रायल लायंस ने पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन कूटते हुए इस बड़े लक्ष्य को 19.1 ओवरों में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भोपाल के लिए अंश बागड़िया (51) की अर्द्धशतकीय पारी बेकार गई, जबकि जबलपुर के अर्पित गौड़ को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पावरप्ले में बरपा अर्पित का तूफान – 224 रनों के एवरेस्ट जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत विस्फोटक रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ ने भोपाल के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 23 गेंदों में 59 रन (7 छक्के व 3 चौके) ठोक दिए। अर्पित के इस रौद्र रूप की बदौलत जबलपुर ने शुरुआती 6 ओवरों के अनिवार्य पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 100 रन बोर्ड पर टांग दिए। इस बेखौफ शुरुआत ने भोपाल को मैच से बाहर कर दिया। अर्पित को दूसरे छोर से अजय रोहेरा (31 रन, 17 गेंद) का शानदार साथ मिला।

सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद वेदांत अवस्थी ने मोर्चा संभाला। वेदांत ने स्पिनरों को आड़े हाथों लेते हुए 34 गेंदों में 60 रनों (5 छक्के व 3 चौके) की मैच जिताऊ पारी खेली। अंतिम ओवरों में कप्तान राहुल बाथम ने 13 गेंदों में नाबाद 19 रन और पुनीत दांते ने नाबाद 7 रन बनाकर 20वें ओवर की पहली गेंद (वाइड) पर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। भोपाल की ओर से स्पिनर युवराज नेमा ने 4 ओवर में 33 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट लिए।

अंश और अनिकेत का पराक्रम – इससे पहले, टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 223 रनों का मजबूत स्कोर बनाया था। राहुल चंद्रोल (28) और तनिष्क यादव (26) ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। इसके बाद मध्यक्रम में अंश बागड़िया ने 34 गेंदों में 51 रनों की जिम्मेदारी भरी अर्द्धशतकीय पारी खेली। कप्तान अनिकेत वर्मा ने महज 20 गेंदों में 42 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अंतिम ओवरों में कमल त्रिपाठी ने 6 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाकर स्कोर को 223 तक पहुँचाया। जबलपुर के लिए गेंदबाज पुनीत दांते और पंकज पटेल ने 2–2 विकेट चटकाए।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवा सबसे बड़ी शक्ति : ओम बिरला

जनरेशन जेड का अर्थ है जोश और उत्साह, उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना होगा : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के युवाओं से वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के युवा विकसित राष्ट्र के भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं का दृढ़ संकल्प, नवोन्मेषी सोच और नेतृत्व क्षमता 2047 के भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। संविधान सदन के केंद्रीय हॉल में आयोजित 'विकसित भारत युवा संसद-2026' के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करेंगे। आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को आशा, आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं के प्रतीक के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की आकांक्षा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का साझा राष्ट्रीय संकल्प है। वर्ष 2047 तक इस लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी काफी हद तक आज के युवाओं के कंधों पर है। युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, साहस और दृढ़ संकल्प ही विकसित भारत के सपने को साकार करने की सबसे बड़ी शक्ति सिद्ध होंगे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और इस परिवर्तन में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज और देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में भारत को स्थापित करने के लक्ष्य के साथ की गई है। युवाओं को इस राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और यही जनसांख्यिकीय लाभांश देश की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं हैं, बल्कि वे समस्याओं के समाधान भी हैं। यदि युवा सामूहिक संकल्प लें तो देश के सामने आने वाली हर चुनौती का समाधान खोज सकते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समुदायों, तटीय क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से एक लाख युवा नेताओं को तैयार करने का आह्वान किया है। युवा कार्यक्रम मंत्रालय इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि जनरेशन जेड का अर्थ जोश, उत्साह और नवीन विचारों से है। युवाओं की ऊर्जा और सोच को विकसित भारत के निर्माण की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा संसद जैसे मंच भावी नेताओं को सीखने, बहस करने, संवाद स्थापित करने और राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर युवा मामलों के मंत्रालय में युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव पल्लवी जैन तथा लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर के 757 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से चयनित 105 युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना पर अपने विचार एवं दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इनमें 71 बालिकाएं भी शामिल थीं।

बांसवाड़ा में फिल्टर बेड का निरीक्षण, रोज साफ पानी आपूर्ति के निर्देश

बांसवाड़ा, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर आयुक्त गोपू गंगाधर ने मंगलवार को बांसवाड़ा नगर निगम के फिल्टर बेड का निरीक्षण किया, जहां से शहर को पेयजल आपूर्ति होती है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाफ की उपस्थिति रजिस्टर जांचा और फिल्टर बेड के समुचित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को प्रतिदिन स्वच्छ पेयजल मिले, इसके लिए किसी भी शिकायत का तुरंत समाधान किया जाए। आयुक्त ने पानी आपूर्ति में लापरवाही न बरतने और सभी सावधानियां रखने को कहा। इस अवसर पर कार्यालय और जलापूर्ति विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

पेद्दापल्ली में 19 जून को जॉब फेयर, फील्ड ऑफिसर के 40 पदों पर भर्ती

पेद्दापल्ली, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला रोजगार अधिकारी एम. राजशेखर ने बताया कि बेरोजगार युवाओं के लिए 19 जून, शुक्रवार को जिला रोजगार कार्यालय में जॉब फेयर आयोजित होगा।

स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में फील्ड ऑफिसर के 40 पद रिक्त हैं। योग्यता 10वीं पास, बाइक और ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। आयु 18 से 30 वर्ष। चयनितों को 14,000 से 15,000 रुपये मासिक वेतन और 6,000 रुपये तक इंसेंटिव मिलेगा। नियुक्ति सुल्तानाबाद, चेन्नूर, मंथनी, जगित्याल, मेटपल्ली, निर्मल, भूपालपल्ली, लक्षेट्टीपेट क्षेत्रों में होगी।

इच्छुक अभ्यर्थी 19 जून को सुबह 11 बजे कमरा नंबर 233, प्रथम तल, जिला रोजगार कार्यालय, इंटीग्रेटेड कलेक्टरेट, पेद्दापल्ली में प्रमाणपत्रों की फोटो कॉपी, बायोडाटा, आधार कार्ड और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ उपस्थित हों। जानकारी के लिए 8985336947, 8121262441 पर संपर्क करें।

पेद्दापल्ली में चेयरमैन का वार्ड दौरा, गीला-सूखा कचरा अलग देने की अपील

पेद्दापल्ली, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर पालिका अध्यक्ष नुगिला मल्लैया ने मंगलवार को 33वें वार्ड की पार्षद गंगुला संध्यारानी के साथ क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि घर का कचरा रोज गीला और सूखा अलग कर नगर पालिका कर्मियों को दें और सफाई में सहयोग करें। मानसून को देखते हुए जर्जर मकानों में न रहने की सलाह दी और कहा कि ऐसे मकानों को चिन्हित कर नोटिस देकर हटाया जाएगा। पानी की कमी पर अध्यक्ष ने बताया कि तेलुगुपागा आरडब्ल्यूएस टैंक की जगह नया टैंक बन रहा है, इसलिए अस्थायी कमी है। जरूरत पड़ने पर टैंकर से पानी भेजा जाएगा। इस दौरान सेनेटरी इंस्पेक्टर पुलिपका राजू, वार्ड अधिकारी वेंकटेश, आरपी राजेश्वरी, वॉटर लाइन मैन प्रशांत, जवान अनिल और कॉलोनीवासी उपस्थित थे।

बोइनपल्ली शाखा की वार्षिक बैठक संपन्न, 'सावन की सैर 2026' शेगांव यात्रा की घोषणा

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बोइनपल्ली शाखा की वार्षिक आम बैठक रविवार को रिलायंस विला में आयोजित हुई। बैठक में कार्यकारिणी और आम सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से हुआ। शाखा अध्यक्ष सुमित कुमार बंसल ने सभी का स्वागत किया और सहयोग के लिए आभार जताया।

बैठक में सचिव और कोषाध्यक्ष ने पिछली एजीएम के कार्यवृत्त और वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। बैठक का मुख्य आकर्षण आगामी सामूहिक यात्रा 'सावन की सैर 2026' की घोषणा रही। इस वर्ष शाखा द्वारा शेगांव, महाराष्ट्र की धार्मिक यात्रा आयोजित की जाएगी। घोषणा पर उत्साह दिखाते हुए 40 से अधिक सदस्यों ने तुरंत सहमति दी। यात्रा की विस्तृत योजना शीघ्र साझा की जाएगी। बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल (के.एस. सदस्य), सचिव मोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, संयुक्त सचिव सौरभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, उमेश खेतान, गजानंद अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, ललित बंसल, राजेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विकास केजरीवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। अंत में सचिव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इम्पैक्ट मेकर्स ने आबिड्स में 2000 राहगीरों को पिलाई छाछ

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युवा स्वयंसेवी संस्था इम्पैक्ट मेकर्स हैदराबाद ने गुरु नानक फाउंडेशन के साथ मिलकर 'बीट द हीट समर ड्राइव' का आयोजन किया। संस्था के फाउंडर मुद्दित पिट्टी के नेतृत्व में आबिड्स रोड पर भीषण गर्मी में राहगीरों, ऑटो चालकों और जरूरतमंदों को छाछ वितरित की गई। इस ड्राइव में 2,000 से अधिक लोगों ने शीतल पेय का लाभ उठाया।

मुद्दित पिट्टी ने बताया कि इम्पैक्ट मेकर्स हैदराबाद एक पूर्णतः स्वैच्छिक संस्था है, जो जरूरतमंदों की मदद के लिए काम करती है। संस्था दानदाताओं के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि या किसी भी विशेष अवसर पर अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में भोजन दान ड्राइव आयोजित करती है।उन्होंने कहा कि संस्था के अधिकांश वॉलंटियर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले युवा प्रोफेशनल्स हैं, जो समाज के वंचित वर्गों तक मदद पहुंचाने के लिए समर्पित हैं। इस समर ड्राइव में गुरु नानक फाउंडेशन की विभा थापर का विशेष सहयोग रहा।

बांसवाड़ा में योग दिवस पूर्व कार्यक्रम

बांसवाड़ा, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और तेलंगाना राज्य आयुष निदेशालय के निर्देश पर बांसवाड़ा आयुष विभाग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सरकारी यूनानी अस्पताल के तत्वावधान में नेमली हाई स्कूल, नसरुल्लाबाद में जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

प्राचार्य की अध्यक्षता में योग गुरु वोतलाम श्रीनिवास गौड़ ने 'बच्चों के लिए योग, स्वस्थ जीवनशैली - संतुलित आहार' विषय पर आसन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने अनुशासन, समय पालन, एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने के उपाय बताए।

बच्चों को जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम से बचने और सब्जी, साग, फल, अनाज, दूध, दही, शहद, घी व सूखे मेवे लेने की सलाह दी गई। प्राचार्य दुर्गाबाई ने योग को दिनचर्या में शामिल करने को कहा। कार्यक्रम में सरपंच रामगोपाल रेड्डी, पंचायत सचिव हनमाव्वा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जमुना रानी, आशा कार्यकर्ता सुनीता, सिरिशा, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राम...

संतोष दुबे कहते हैं, इसके पीछे चंपत राय की भूमिका रही है। दावा करते हैं कि परमहंस रामचंद्र दास इसी सदमे में बीमार रहने लगे और 2 साल बाद प्राण त्याग दिए। डॉ. रामविलास वेदांती डर की वजह से बोल नहीं पाए। इससे साफ है कि श्रीराम मंदिर के नाम पर मिलने वाले दान के सोने-चांदी की चोरी आज नहीं, 1989 से ही शुरू हो गई थी।

दानपेटी के चढ़ावे का कोई रिकॉर्ड नहीं

संतोष दुबे कहते हैं, कारसेवकपुरम में विहिप ने श्रीराम मंदिर का मॉडल रखा था। इसके सामने एक दानपेटी रखी गई थी। इसमें भी देशभर से आने वाले श्रद्धालु दान करते थे। इस दानपेटी में 50 रुपए से अधिक दान देने वालों की रसीद काटी जाती थी। मतलब, इससे कम की राशि का कोई लेखा-जोखा नहीं था। इस दानपेटी में हर महीने पांच से 7 लाख रुपए जमा होते थे। दान देने वाले व्यक्ति को बदले में श्रीराम मंदिर मॉडल की एक फोटो दी जाती थी। तब भी विहिप की तरफ से चंदे में मिलने वाली राशि कभी सार्वजनिक नहीं की गई। संतोष दुबे कहते हैं, 5 फरवरी, 2020 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बना। तब न्यास को इसमें समाहित कर दिया गया। उस समय न्यास के खाते में सिर्फ 8.50 करोड़ रुपए दिखाए गए थे। तब भी सोने-चांदी की शिलाओं का कोई उल्लेख नहीं किया गया। इसके बाद ट्रस्ट ने समर्पण और सहयोग राशि अभियान चलाया। ऑनलाइन भी चंदा लिया गया। घर-घर चलाए गए समर्पण राशि के लिए रसीद भी दी गई। हालांकि, रसीद और दान में मिली राशि को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पहले न्यास और अब ट्रस्ट में चंपत राय ही सर्वेसर्वा की भूमिका में हैं। आरोप लगते हैं कि कभी भी उनकी तरफ से पारदर्शिता दिखाने की कोशिश नहीं की गई। श्रीराम मंदिर में दर्शन करने 2022 से अब तक साढ़े चार साल में 61.53 करोड़ लोग पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, दर्शन करने जाने वाला सामान्य व्यक्ति भी कम से कम 10 रुपए श्रद्धा भाव से जरूर चढ़ाता है। इस हिसाब से 600 करोड़ रुपए सिर्फ दान पेटियों में लोगों ने दान किया। इसमें महिलाओं की ओर से दान की गई सोने-चांदी के जेवरों की बात नहीं की जा रही है।

2024 में चंपत राय ने जब चढ़ावे का विवरण दिया था, तब उन्होंने 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोने का जिक्र किया था। 2025 में करीब 30 करोड़ लोगों ने दर्शन किए। इस हिसाब से 2025 में करीब 300 करोड़ का चढ़ावा आना चाहिए।

जबकि 1 अप्रैल, 2025 से 28 फरवरी, 2026 का जो रिकॉर्ड ट्रस्ट ने 21 मार्च की बैठक में पेश किया था, उसमें सिर्फ 54 करोड़ रुपए दिखाए गए थे। अब अगर 2026 की बात करें, तो जनवरी से 15 जून तक लगभग 7 करोड़ लोग दर्शन कर चुके हैं।

टिन्नू के घर...

पिछले करीब 3 साल से रामलला के दान के लेखा प्रभारी हरीश श्रीवास्तव भी ट्रस्ट और सुरक्षा अधिकारियों के रडार पर है।

चंपत राय का सहयोगी टिन्नू और गोपाल राव के करीबी सोमेश आनंद इतने प्रभावशाली थे कि इनके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं कर पाता था। इनके लिए बाकायदा निर्देश दिए गए थे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने करीब 50 रिटायर शिक्षकों को अपनी सेवा में ले रखा है। इन पर भी नजर रखी जा रही है।

दो साल पहले सोने के मुकुट गायब हुए थे

हर साल सावन के झूला मेले के समय भगवान राम का उनके तीनों भाइयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के साथ विशेष श्रृंगार कराया जाता है। परंपरा के अनुसार, झूलन उत्सव पर चारों भाइयों को सोने के मुकुट पहनाए जाते हैं। फिर उन्हें झूले पर विराजमान कर भक्तों को दर्शन कराए जाते हैं। 2 साल पहले की बात है, रामलला और उनके तीनों भाइयों के सोने के मुकुट गायब हो गए।

कई महीनों तक मुकुट का पता नहीं चला। सावन मेले के दौरान जब रामलला के पुजारियों ने बार-बार मुकुट की मांग की तो खोजबीन शुरू हुई। तलाशी में मंदिर परिसर में ट्रस्ट के एक पदाधिकारी की अलमारी से मुकुट मिले थे। सूत्रों के अनुसार, ये मुकुट गाजियाबाद के एक श्रद्धालु ने अपनी मां के जेवर बेचकर रामलला को भेंट किए थे।

पहले दानपात्र के सोने-चांदी के आभूषण चुराए, फिर कैश पर हाथ साफ

बहुत से श्रद्धालु सोने-चांदी के जेवर दानपात्र में ही डाल देते थे। सूत्रों के अनुसार, इसका लेखा-जोखा भी ठीक से तैयार नहीं होता। दानपात्र से केवल कैश की गिनती होती रही। सोने-चांदी जैसी धातुओं का उल्लेख न के बराबर ही किया जाता रहा।

रामलला को चढ़ावे में आने वाले सोने-चांदी में उन्हीं का लेखा-जोखा तैयार होता रहा, जो ट्रस्ट कार्यालय में ही जमा किए जाते रहे। जबकि, भीड़ के दौरान आम श्रद्धालुओं की पहुंच इस कार्यालय तक नहीं हो पाती थी।

सूत्रों के अनुसार, रामलला के दानपात्र से कैश से ज्यादा सोने, चांदी आदि धातुओं की चोरी की जाती रही। पहले धातुओं को चुराया गया, फिर कैश पर भी हाथ साफ किया जाने लगा।

ये लोग जांच के दायरे में

मनीष यादव: श्रीराम जन्मभूमि परिसर के अंदर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर टिन्नू यादव ने अपने भतीजे मनीष यादव की नियुक्ति करवा दी। मनीष को भी मंदिर परिसर स्थित पीसीएफ यात्री सुविधा केंद्र में रखा गया है। चर्चा है कि उसकी बताई जगह से 36 लाख रुपए कैश मिला है।

राजेश पाठक: अयोध्या के खाले पुरवा में रहने वाले राजेश पाठक पर भी संदेह है। राजेश नोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों में शामिल हैं। जांच में जुटे ट्रस्ट कर्मचारियों ने उनसे सवाल पूछे हैं। राजेश की पिछले 5-6 सालों में बदली जीवनशैली जांच के घेरे में है।

लवकुश और अनुकल्प मिश्रा: अयोध्या के रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरान फगौली गांव का रहने वाला लवकुश और उसका जीजा अनुकल्प मिश्रा भी शक के घेरे में हैं। दोनों मंदिर में नोटों की गिनती करते थे। दोनों की आर्थिक स्थिति भी तेजी से बदली है।

उद्धव सेना ...

दरअसल, उद्धव ठाकरे ने नौ सांसदों को बैठक के लिए मातोश्री बुलाया, लेकिन बैठक में सामने-सामने केवल 4 सांसद पहुंचे। इसमें अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और संजय दीना पाटील शामिल थे। सांसद ओमराजे निंबालकर नहीं आए। जबकि दावों के मुताबिक संजय देशमुख और नागेश पाटील ऑनलाइन बैठक में जुड़े थे।

इसके बाद उद्धव ने ये तक कह दिया, जिसे जाना हो खुशी से जाए। आज भले मेरा नहीं, कल जरूर मेरा होगा। तब तक धीरज रखना होगा, सहना होगा। जो बाला साहेब की शिवसेना छोड़कर गए वो आखिर में पछताएंगे, लेकिन तब तक बहुत देर हो जाएगी।

चार साल में दूसरा बड़ा झटका

अगर अटकलें सही साबित हुईं तो उद्धव ठाकरे के लिए चार साल में दूसरा बड़ा झटका होगा। ये शिवसेना की दूसरी बड़ी टूट होगी। इससे पहले जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी थी। तब 40 शिवसेना विधायक उद्धव गुट से अलग हो गए थे। बाद में कुछ और विधायक उनके खेमे में आ गए और संख्या 50 के आसपास पहुंच गई थी। उस समय अविभाजित शिवसेना के पास 55 विधायक थे। संख्या बल की वजह से चुनाव आयोग ने भी पार्टी नाम शिवसेना और चुनाव चिह्न धनुष-बाण शिंदे गुट को आवंटित कर दिया था।

ट्रंप के...

एक परिवार है की सदियों पुरानी सोच पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सस्टेनेबल और समावेशी ग्लोबल डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मोदी-ट्रंप मुलाकात: 50 सेकेंड बात, फिर बैठे साथ

जी-7 समिट की कार्यवाही शुरू होने से पहले, मोदी ने जी-7 नेताओं से गर्मजोशी से मुलाकात की। इसी दौरान मंगलवार को लंबे समय बाद पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात हुई। पीएम मोदी और ट्रंप लगभग 50 सेकेंड बातें करते रहे। इसके बाद पीएम मोदी और ट्रंप आगे के सेशन के लिए एक साथ बैठे। दोनों नेता 17 जून की शाम 6:30 बजे ट्रेड डील पर चर्चा कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के एक बयान के मुताबिक भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ, निवेश और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

जी-7 समिट के लिए मंगलवार दोपहर एवियन पहुंचने पर मोदी का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्वागत किया। जी-7 के देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इसी बीच मोदी और इटालियन पीएम जॉर्जिया मेलोनी की बातचीत भी हुई। मेलोनी ने मोदी से कहा- दोबारा मिलकर अच्छा लगा, हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस हैं।

दरअसल, मोदी पिछले महीने 5 देशों के दौरे पर गए थे। जहां उन्होंने रोम में पीएम मेलोनी को मेलोडी टॉफी दी थी। जिसका वीडियो वायरल हो गया था।

ट्रंप टीम में ...

विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ शामिल हैं।

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने इस फूट पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की है। एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने राष्ट्रपति ट्रंप और दूसरे सीनियर अधिकारियों को बताया कि उन्हें सबूतों से इस बात पर गंभीर शक पैदा होता है कि ईरान किसी भी अंतिम समझौते में अमेरिका की मांग के मुताबिक परमाणु मामलों में रियायतें देने को तैयार होगा। यानी कि सीआईए का आकलन है कि ईरान परमाणु बम न बनाने के मुद्दे पर पलटी मार सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार रविवार को इस डील की घोषणा से पहले ट्रंप और उनके सलाहकारों के बीच इस पर कई हाई-लेवल बैठकें हुईं। दो सूत्रों के अनुसार इन बैठकों में ट्रंप और उनकी टीम ने कई अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों से मिली जानकारी पर चर्चा की। इससे पता चला कि ईरानी अधिकारी आपस में डील के बारे में जिस तरह से बात कर रहे थे, वह उस बात से अलग था जो वे मध्यस्थों और अमेरिका को बता रहे थे। यानी कि उनके मुताबिक ईरान के इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

इस मीटिंग में रुबियो और सीआईए निदेशक ने खुलकर अपनी राय रखी। दो सूत्रों के मुताबिक सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ और रुबियो ने कहा कि उस जानकारी के आधार पर उन्हें शक है कि ईरानी उन न्यूक्लियर कदमों को उठाने के लिए सहमत होंगे जिनकी अमेरिका मांग कर रहा था।

ईरानी इरादे ठीक नहीं: इंटेलिजेंस रिपोर्ट

एक सूत्र ने कहा इंटेलिजेंस से पता चलता है कि ईरान के इरादे डील के तहत किए गए उनके वादों के मुताबिक नहीं हैं। इन चर्चाओं पर व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी मुद्दे पर सभी की राय सुनते हैं लेकिन हर कोई जानता है कि आखिरी फैसला वही लेते हैं।

व्हाइट हाउस के इस अधिकारी ने कहा कि यह एमओयू उन सभी अहम शर्तों को पूरा करता है जिनके बारे में प्रशासन लंबे समय से कहता आ रहा है। यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार न हों, वे अपना ज़्यादा एनरिच किया हुआ यूरेनियम न रख सकें और वे दुनिया की एनर्जी सप्लाई को बंधक न बना सकें।

उम्मीद है कि जेडी वेंस, विटकॉफ और कुशनर शुक्रवार को ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद-बाघेर ग़ालिबाफ़ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ-साथ पाकिस्तान और कतर के मध्यस्थों से मिलकर इस अगले चरण पर चर्चा करेंगे।

ईरान को मिलेगा ज्यादा, छोड़ना पड़ेगा कम

बता दें कि 14 पॉइंट वाले शुरुआती समझौते का पूरा टेक्स्ट अभी तक जारी नहीं किया गया है, लेकिन इस टेक्स्ट की जानकारी रखने वाले एक सूत्र का कहना है कि एमओयू के तहत ईरान को मिलेगा ज्यादा और छोड़ना कम पड़ेगा। बशर्ते ईरान ऐसे परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हों जो अमेरिका के लक्ष्यों को पूरा करता हो।

सूत्रों के अनुसार एमओयू में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान जमा किए गए एनरिच्ड न्यूक्लियर मैटेरियल के निपटारे और अंतिम समझौते में तय होने वाले संतोषजनक ढांचे के आधार पर ईरान की परमाणु जरूरतों से जुड़े भविष्य के एनरिचमेंट और आपसी सहमति वाले अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दस्तावेज़ में कहा गया है कि जब तक बातचीत जारी रहेगी, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को यथावत बनाए रखेगा। सूत्रों के मुताबिक अगर परमाणु समझौते पर अंतिम सहमति बन जाती है, तो अमेरिका 30 दिनों के भीतर युद्ध के लिए तैनात अपनी सेना को हटा लेगा और तय टाइम-टेबल के अनुसार ईरान पर लगे सभी प्रतिबंध खत्म कर देगा। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान का फ्रीज फंड रिलीज करने का मामला ईरान के परफॉर्मेंस यानी कि पे फॉर परफॉर्मेंस वाला मॉडल होगा। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अगर ईरान की तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते हैं तो अमेरिका बदले में कुछ फंड जारी कर सकता है।

अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अमेरिका को दो-तीन हफ़्तों में पता चल जाएगा कि क्या ईरान परमाणु रियायतों को लेकर गंभीर है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो यह प्रक्रिया बिना ईरान को ज़्यादा फ़ायदा पहुंचाए रुक सकती है।

चंद्रशेखर-ओवैसी...

दूसरी तरफ चंद्रशेखर और ओवैसी की तारीफ। यह इशारा कर रहा है कि कांग्रेस यूपी में अखिलेश यादव के दामन को छोड़ना तो नहीं चाहती है, लेकिन पिछलग्गू बनकर भी गठबंधन में नहीं रहेगी। ऐसे में इमरान मसूद ने जिस तरह से चंद्रशेखर और ओवैसी को गले लगाने की कवायद में है, उसके राजनीतिक मायने हैं।

इमरान मसूद ने आजतक से बात करते हुए बीजेपी को तो सांप्रदायिक कहा, लेकिन ओवैसी पर सांप्रदायिक होने का ठप्पा लगाने से बचते रहे। इससे पहले तक कांग्रेस के नेता असदुद्दीन ओवैसी को बीजेपी की बी-टीम कहते रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी को इमरान मसूद ने अपना बड़ा भाई बताया, लेकिन गठबंधन के सवाल पर कहा कि यह फैसला पार्टी करेगी।

असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में 2027 को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुस्लिम बहुल बहराइच के मटेरा से अपनी चुनावी तैयारी की शुरुआत करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने मटेरा सीट से अपने प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली को अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया। ओवैसी के सक्रिय होने के साथ ही इमरान मसूद ने जिस तरह नरम तेवर अपना रखा है, उसके सियासी संकेत माने जा रहे हैं।

आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद को इमरान मसूद ने अपना दोस्त और हमदर्द बताया। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में चंद्रशेखर ने उनकी मदद की है, हम चाहते हैं कि वो खूब तरक्की करें। ऐसे में हमसे जो बन पड़ेगा, वो करेंगे। चंद्रशेखर की पार्टी से गठबंधन के सवाल पर साफ-साफ जवाब नहीं दिया, लेकिन संकेत जरूर दे दिया।

सपा पर प्रेशर पॉलिटिक्स का दांव?

यूपी में सपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन है, जिसके संकेत अखिलेश यादव कई बार दे चुके हैं। सपा और कांग्रेस में सीट शेयरिंग को लेकर मामला जरूर फंसा हुआ है। ऐसे में इमरान मसूद ने ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ हाथ मिलाने के संकेत देकर सपा पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है। हालांकि, यूपी में सपा और कांग्रेस दोनों का सियासी आधार करीब-करीब एक ही है। दोनों ही पार्टियों का कोर वोटबैंक मुस्लिम है, जिसके चलते ही उनके रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव वाले रहते हैं।

इमरान मसूद 2022 के चुनाव में कांग्रेस छोड़कर सपा में गए थे, लेकिन उन्हें अखिलेश यादव ने चुनाव नहीं लड़ाया था। इसके बाद बसपा से होते हुए कांग्रेस में फिर से वापसी कर गए थे। चंद्रशेखर आजाद भी इमरान मसूद के जिले सहारनपुर से आते हैं। चंद्रशेखर भी 2022 में सपा के साथ गठबंधन करने के लिए बहुत मशक्कत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। इमरान मसूद ने अपना और चंद्रशेखर का जिक्र करते हुए कहा कि 2022 में हम दोनों को बहुत जिल्लत उठानी पड़ी है, उनका इशारा अखिलेश यादव की तरफ था।सपा यूपी में ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ गठबंधन के लिए रजामंद नहीं है और कांग्रेस ने उन दोनों के साथ हाथ मिलाने के संकेत देकर अखिलेश यादव पर दबाव बनाने का सियासी दांव तो नहीं चल दिया है। अब देखना है कि कांग्रेस यूपी में गठबंधन की कौन सी स्क्रिप्ट लिखती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 17 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महेश बैंक ने ऑटो रिक्शा विज्ञापन अभियान शुरू किया

गोल्ड लोन सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के प्रचार के लिए 100 ऑटो रिक्शा किए शामिल

चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड एवं वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश बैंक ने अपनी बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों को आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष विज्ञापन अभियान की शुरुआत की है। बैंक की मार्केटिंग रणनीति के तहत 100 तीन-पहिया ऑटो रिक्शा को विज्ञापन माध्यम के रूप में शामिल किया गया है, जिनके माध्यम से बैंक के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ आज बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड तथा वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने बैंक के अन्य निदेशकों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

अभियान के अंतर्गत लगाए गए विज्ञापन मुख्य रूप से बैंक के गोल्ड लोन तथा अन्य ऋण उत्पादों को केंद्र में रखकर तैयार किए गए हैं। बैंक का उद्देश्य इन सेवाओं के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा अधिकाधिक ग्राहकों तक अपनी सुविधाओं को पहुंचाना है।

महेश बैंक ने पिछले दो वर्षों के दौरान भी चलते-फिरते 3-व्हीलर ऑटो रिक्शा पर विज्ञापन प्रदर्शित करने जैसे नवाचारपूर्ण प्रचार अभियान चलाए थे। बैंक के अनुसार इन अभियानों से उसे अच्छा व्यावसायिक लाभ प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस पहल को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया गया है।

महेश बैंक वर्तमान में 45 शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से कार्य कर रहा है, जो तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित चार राज्यों में फैला हुआ है।

बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए आधुनिक तकनीक आधारित सेवाओं के साथ भविष्य उन्मुख वित्तीय संस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में बैंक का कुल व्यवसाय (बिज़नेस मिक्स) 3,066.11 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जो उसकी निरंतर प्रगति और ग्राहकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

हरियाणा के पूर्व राज्यपालरबंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार, 16 जून, 2026 को राज्य सरकार के सलाहकार और पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव के निवास स्थान पर जाकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बंडारू दत्तात्रेय ने ईश्वर से प्रार्थना की कि श्री हनुमंत राव पूर्ण रूप से स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और आने वाले कई वर्षों तक इसी प्रकार निरंतर जनसेवा में अपना योगदान देते रहें।

सेवा एक सामाजिक दायित्व, इससे समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ती है : सविता अग्रवाल

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित जनों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भाव से उपस्थित लोगों को भोजन कराते हुए मानवता एवं परोपकार का संदेश दिया।

इस अवसर पर सविता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है। जब व्यक्ति अपने जीवन में सेवा और परोपकार को स्थान देता है, तब उसके भीतर संवेदनशीलता, करुणा और सामाजिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे लोग हैं जो विभिन्न परिस्थितियों के कारण सहायता के पात्र हैं। ऐसे लोगों तक सहयोग पहुंचाना प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का नैतिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सर्वोत्तम दान माना गया है, क्योंकि इससे किसी भूखे व्यक्ति की तत्काल आवश्यकता की पूर्ति होती है। भूखे को भोजन और जरूरतमंद को सहयोग प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

सेवा के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में भाईचारे, सद्भाव और मानवता की भावना भी मजबूत होती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। सभी ने संकल्प लिया कि मानव सेवा का यह अभियान भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, भगतराम गोयल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

बेगम बाजार पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। साथ ही गौसेवा के माध्यम से सनातन संस्कृति के सेवा एवं करुणा के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में महादान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के नियमित रूप से अन्नदान एवं सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

ग्रुप का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना तथा सेवा के माध्यम से लोगों को जोड़ना है। कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, जगन गुप्ता, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय एवं अरुण विजयवर्गीय सहित अन्य सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद द्वारा श्री 1008 प्रभुदास जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा वाचक पं. रवि मिश्रा, मुख्य यजमान लालचंद उपाध्याय और गुरुदेव प्रभुदास जी महाराज का श्री भस्मरमैया मित्र मंडल, सिकंदराबाद द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण एवं सशक्तिकरण पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम के चेयरमैन मोहम्मद ओबेदुल्ला कोठवाल के साथ एक सार्थक बैठक की। बैठक में अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण, सामाजिक उत्थान और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान अल्पसंख्यक वर्गों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं, आर्थिक सशक्तिकरण तथा विकासात्मक कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने समावेशी विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महासचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा, बलबीर सिंह, शाहजहां, मोना सिंह, समी खान, सचिव मनमोहन सिंह, सतीश हुंडिया, जूली बेन्नेला, मोहिंदरपाल सिंह, मोहम्मद गजनी, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टुटेजा, कार्यालय सचिव सुमीत माखीजा, सविता सोनी, चंदना जैन, रीदा कुद्दूस, अवाइस मिर्जा, गुरुचरण सिंह, दर्शन सिंह, शेख शाहबाज, फरनाज, साहेब सिंह तथा अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने अल्पसंख्यक समुदायों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सहभागिता और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

शुभ लाभ DAILY

मेट्रो रेल मुद्दा: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किशन रेड्डी को लिखा खुला पत्र

13,538 करोड़ के कर्ज की तुरंत निकासी और फेज-2 को मंजूरी देने की मांग

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने हैदराबाद मेट्रो रेल के वित्तपोषण (फंडिंग) और विस्तार से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए केंद्रीय मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने किशन रेड्डी से अपील की है कि वे संबंधित केंद्रीय मंत्रियों के साथ एक बैठक आयोजित करें और यह सुनिश्चित करें कि 'भारतीय रेलवे वित्त निगम' सरकार द्वारा एलएंडटी से हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-1 के अधिग्रहण (टेकओवर) के लिए स्वीकृत 13,538.53 करोड़ का ऋण तुरंत जारी करे। इसके साथ ही उन्होंने मेट्रो रेल फेज-2 परियोजना को जल्द मंजूरी दिलाने का भी आग्रह किया है।

पत्र में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-1, जो तीन कॉरिडोर में 57 स्टेशनों के साथ 69 किलोमीटर तक फैला है, उसे पीपीपी मॉडल के तहत 'एलएंडटी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड' द्वारा विकसित किया गया था। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 38,595 करोड़ की अनुमानित लागत से 122.9 किलोमीटर लंबी मेट्रो फेज-2 परियोजना का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्रालय ने निजी तौर पर संचालित फेज-1 और सरकारी नियंत्रण वाले फेज-2 के आपस में एकीकरण (इंटीग्रेशन) को लेकर चिंताएं जताई थीं। इसी वजह से राज्य सरकार ने फेज-1 के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस टेकओवर पैकेज में 1,461.47 करोड़ की इक्विटी का अधिग्रहण और मौजूदा प्रोजेक्ट कर्ज के 13,538.53 करोड़ का पुनर्वित्तपोषण (रिफाइनेंसिंग) शामिल है, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 15,000 करोड़ हो जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पूरी प्रक्रिया अधिकारियों की एक समिति के माध्यम से पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से की गई थी, जिसमें केंद्र सरकार का एक नामित प्रतिनिधि भी शामिल था। रेवंत रेड्डी ने बताया कि आईआरएफसी (खठऋड) ने उचित जांच-पड़ताल (ड्यू डिलिजेंस) करने के बाद परियोजना की व्यवहार्यता और पुनर्भुगतान क्षमता का मूल्यांकन किया था, जिसके बाद ही इस फंडिंग को मंजूरी दी गई थी। इसके लिए राज्य सरकार की गारंटी और आरबीआई समर्थित 'डायरेक्ट डेबिट मैकेनिज्म' सहित सभी आवश्यक समझौतों और सुरक्षा उपायों को प्राप्त कर लिया गया था।

उन्होंने रेखांकित किया कि राज्य सरकार पहले ही इक्विटी हिस्से के रूप में 1,461.47 करोड़ जमा कर चुकी है और आईआरएफसी द्वारा मांगी गई 84.32 करोड़ की अग्रिम फीस (अपफ्रंट फी) का भी भुगतान कर चुकी है। हालांकि वित्तपोषण की पहली किस्त 15 जून, 2026 को जारी होनी तय थी, लेकिन स्वीकृत धनराशि को अभी तक जारी नहीं किया गया है। इस स्थिति को चिंताजनक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने ऋणदाता (लेंडर) द्वारा रखी गई हर शर्त को पूरा किया है, इसलिए वह स्वीकृत ऋण की समय पर निकासी का हकदार है।

रेवंत रेड्डी ने यह भी जोर देकर कहा कि तेलंगाना ने मेट्रो फेज-1 और प्रस्तावित फेज-2 नेटवर्क के परिचालन एकीकरण से जुड़ी सभी चिंताओं का समाधान कर दिया है। उन्होंने केंद्र और राज्य के बीच 50:50 के संयुक्त उद्यम (ज्वाइंट वेंचर) के रूप में फेज-2 को मंजूरी देने के राज्य के अनुरोध को दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो तेलंगाना अपने संसाधनों और संस्थागत वित्तपोषण का उपयोग करके फेज-2 को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, बशर्ते केंद्र सरकार बिना किसी देरी के सभी आवश्यक मंजूरियां दे।

मुख्यमंत्री ने किशन रेड्डी से आग्रह किया कि वे इस मामले को आईआरएफसी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष उठाएं ताकि स्वीकृत राशि तुरंत जारी हो सके। उन्होंने संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के साथ चर्चा कर हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2 को जल्द से जल्द मंजूरी दिलाने में मदद मांगी। रेवंत रेड्डी ने दुख जताते हुए कहा कि एक दशक से अधिक समय तक नेटवर्क का विस्तार न होने के कारण हैदराबाद भारत के अग्रणी मेट्रो रेल शहरों की सूची में खिसककर नौवें स्थान पर आ गया है। उन्होंने शहर के भविष्य के विकास और गतिशीलता (मोबिलिटी) की जरूरतों को देखते हुए इस पर तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

कैबिनेट की अहम बैठक आज: मेट्रो रेल लोन विवाद और रैथु भरोसा मुद्दों पर होगी चर्चा

कैबिनेट की बैठक 18 जून को यहां होगी, जिसमें हैदराबाद मेट्रो रेल टेकओवर और रैथु भरोसा किसान सहायता वितरण का मुद्दा प्रमुखता से उठने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक मेट्रो टेकओवर के संबंध में अगले कदम पर विचार करेगी और भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा अंततः ऋण देने से इनकार करने की स्थिति में अन्य वित्तीय संस्थानों से 13,600 करोड़ रुपए सुरक्षित करने के वैकल्पिक विकल्पों की तलाश करेगी।

सरकार अपने संसाधनों से हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-खख के कार्यान्वयन पर भी चर्चा करने की संभावना है, क्योंकि केंद्र ने समान लागत-साझेदारी के साथ संयुक्त उपक्रम के रूप में परियोजना को मंजूरी नहीं दी है। अधिकारियों का कहना है कि मेट्रो चरण-ख का टेकओवर तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक राज्य सरकार ङढ को 13,600 करोड़ रुपए का भुगतान करने की व्यवस्था नहीं करती। मेट्रो मुद्दे के अलावा, मंत्रियों से राज्य में नवीनतम विकासों की समीक्षा करने और कृषि, सिंचाई परियोजनाओं, विकास कार्यक्रमों और विभिन्न कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन पर निर्णय लेने की अपेक्षा है। चल रही खरीफ मौसम के लिए रैथु भरोसा सहायता के प्रस्तावित वितरण और मानसून की शुरुआत के बाद किसानों को बीज और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

कैबिनेट बैठक में आगामी महीनों में होने वाले जीएचएमसी, एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनावों से संबंधित चुनावी तैयारियों पर भी विचार किया जा सकता है। राज्य में राजनीतिक और प्रशासनिक विकास पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

ई-कैबिनेट बैठक: पेपरलेस प्रशासन की दिशा में कदम

बैठक इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जो सरकार की ई-गवर्नेंस की दिशा में पहल का हिस्सा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, अधिकारी सरकारी विभागों में पेपरलेस प्रशासनिक प्रणाली लागू करने के प्रयासों के तहत 'ई-कैबिनेट बैठकों की व्यवस्था कर रहे हैं।

इस बीच, सरकार रैथु भरोसा योजना के तहत 26 जून या महीने के अंत तक किसानों के बैंक खातों में लगभग 9,000 करोड़ रुपए जमा करने की योजना बना रही है।

रैथु भरोसा: पिछले सीजन में 8,744 करोड़ का वितरण

पिछले खरीफ मौसम में, सरकार ने नौ दिनों में 69.4 लाख किसानों के खातों में 8,744 करोड़ रुपए जमा किए थे, जबकि हाल के रबी मौसम में 5,653 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। रबी में, रैथु भरोसा प्रत्येक किसान को केवल दो एकड़ के लिए दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि सरकार 26 जून को किसानों के साथ एक बड़ी सार्वजनिक सभा आयोजित करने पर विचार कर रही है, जहां मुख्यमंत्री रैथु भरोसा भुगतान के नवीनतम दौर का औपचारिक उद्घाटन कर सकते हैं। वित्त विभाग कथित तौर पर आवश्यक धन जुटाने पर काम कर रहा है, और सरकार राज्य में दो स्थानों पर इसी तरह की किसान सभाओं आयोजित करने की संभावना भी तलाश रही है।

सीएम रेवंत ने बुलेट ट्रेन मार्गों को तेलंगाना पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किया अनुकूल

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि तेलंगाना में तीन प्रस्तावित बुलेट ट्रेन गलियारों का अलाइनमेंट राज्य भर में पर्यटन को बढ़ावा देने और भविष्य की आर्थिक वृद्धि केंद्रों का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि स्टेशनों का स्थान और मार्ग की योजना प्रमुख पर्यटन गंतव्यों और उभरते शहरी केंद्रों के साथ संरेखित होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को हैदराबाद-पुणे गलियारे पर विकाराबाद में अनंतगिरि हिल्स के पास एक स्टेशन स्थापित करने और हिल स्टेशन से हैदराबाद के आईटी हब तक सहज परिवहन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हैदराबाद-बेंगलुरु परियोजना के लिए, उन्होंने निर्देश दिया कि भारत फ्यूचर सिटी में एक स्टेशन स्थापित किया जाए और नल्लामाला वन क्षेत्र में मन्नानूर के पास और सोमाशिला के पास अतिरिक्त स्टेशनों की योजना बनाई जाए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि रेलवे अलाइनमेंट पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाना चाहिए और प्रस्ताव किया कि हैदराबाद, विशेष रूप से शमशाबाद, को एक प्रमुख बुलेट ट्रेन हब के रूप में विकसित और प्रचारित किया जाए। वह केंद्रीय बजट 2026-27 में तेलंगाना के लिए स्वीकृत हैदराबाद-पुणे और हैदराबाद-बेंगलुरु हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने वारंगल हवाई अड्डे के प्रस्तावित डिजाइन की भी समीक्षा की और जोर दिया कि सुविधा काकतीय वंश की समृद्ध विरासत को प्रतिबिंबित करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हवाई अड्डे की वास्तुकला और सौंदर्यशास्त्र काकतीय साम्राज्य की विरासत को प्रदर्शित करना चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार पर एक बड़ा द्वीप योजना बनाने और रानी रुद्रमा देवी, रुद्रदेव और एक विशाल नंदी मूर्ति की मूर्तियों को प्रतिष्ठित लैंडमार्क के रूप में स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली जाकर हवाई अड्डे के डिजाइन और विकास योजनाओं के संबंध में भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ चर्चा करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में सांसद वेम नरेंदर रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सीएमओ प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, टीजीआईआईसी आयुक्त शशांक, रंगारेड्डी कलेक्टर नारायण रेड्डी और सड़क और भवन विशेष सचिव प्रवीण्य उपस्थित थे।

सीएम ने खरीफ के लिए 7 बेहतरीन धान बीज किस्में सब्सिडी पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चल रहे खरीफ सत्र के लिए किसानों को सब्सिडी पर बेहतरीन धान बीज की सात किस्में उपलब्ध कराई जाएं। सरकार बेहतरीन धान की किस्मों की खेती करने वाले किसानों को बोनस प्रदान कर रही है, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बीजों की कमी न होने की सुनिश्चित करने को कहा। इन बीजों को रैथु वेदिकास में स्टॉक किया जाना चाहिए और बेहतरीन धान की खेती करने वाले किसानों का व्यापक रूप से मैपिंग किया जाना चाहिए, और कृषि विभाग को बोए गए क्षेत्र और अपेक्षित उपज का पूर्ण डेटा बनाए रखना चाहिए। उर्वरक वितरण में अधिक पारदर्शिता और गति लाने के लिए, सीएम ने अधिकारियों को सभी प्रकार के उर्वरकों के लिए ऐप-आधारित बुकिंग प्रणाली शुरू करने का निर्देश दिया। ऐप के माध्यम से यूरिया बुक करने वाले किसानों को रैथु वेदिकास के माध्यम से आपूर्ति प्राप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूरिया वितरण की जिम्मेदारी जिला अतिरिक्त कलेक्टरों को सौंपी जानी चाहिए।

मंगलवार को यहां कृषि विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि अधिकारियों को कृषि चक्र के हर चरण को कवर करने वाली एक व्यापक और संरचित कार्य योजना लागू करनी चाहिए, बीज वितरण से लेकर कटाई उपज की खरीद तक, यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को किसी भी चरण में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को बुवाई के चरण से लेकर अनाज खरीद के पूरा होने तक किसानों, फसलों, उत्पादन अनुमानों और खरीद संचालन की पूर्ण और वास्तविक समय की जानकारी बनाए रखनी चाहिए।समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव और दुड्डिला श्रीधर बाबू, राज्यसभा सदस्य वी. नरेंदर रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, सीएमओ प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रविंद्र, कृषि निदेशक बी. गोपी और योजना विभाग सचिव उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की बड़ी कार्रवाई

सर्वे एंड लैंड रिकॉर्ड्स के डिप्टी डायरेक्टर एस. नरहरि राव पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना, हैदराबाद के सर्वे एंड लैंड रिकॉर्ड्स (मल्टी ज़ोन-2) के डिप्टी डायरेक्टर श्री सुंकारी नरहरि राव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अधिकारी ने अपनी सेवा के दौरान भ्रष्ट आचरण और संदिग्ध तौर-तरीकों का सहारा लेकर अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है।

चूंकि यह अपराध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत दंडनीय है, इसलिए दिनांक 16-06-2026 को उनके आवास के साथ-साथ उनके रिश्तेदारों, बेनामीदारों और अन्य करीबियों से जुड़े 9 अन्य स्थानों पर छापेमारी (तलाशी) की गई।

तलाशी के दौरान निम्नलिखित अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज़ बरामद किए गए: रंगारेड्डी जिले में 5 ओपन प्लॉट।

महेश्वरम में 1.24 एकड़ कृषि भूमि।

पुप्पलगुडा में एक गगनचुंबी इमारतमें 2,500 वर्ग फीट का एक आवासीय फ्लैट।

नरसिंगी में एक गगनचुंबी इमारत में 1,860 वर्ग फीट के दो आवासीय फ्लैट।

राजेंद्र नगर में एक गगनचुंबी इमारत में 1,377 वर्ग फीट का एक आवासीय फ्लैट।

टीएनजीओ कॉलोनी, गाचीबोवली में स्थित एक जी+3 (चार मंजिला) इमारत।

चातरीनाका में स्थित एक जी+2 (तीन मंजिला) आवासीय भवन।

करोड़ों की नकदी, सोना-चांदी और बैंक बैलेंस बरामद:

इसके अलावा, आरोपी अधिकारी के घर से लगभग 1.54 करोड़ की शुद्ध नकदी (नेट कैश), 2.29 करोड़ का बैंक बैलेंस, 5.04 करोड़ की सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट), लगभग 1.3 किलोग्राम सोने के आभूषण और 8 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। आरोपी अधिकारी की पत्नी के नाम पर दो बैंक लॉकर भी मिले हैं, जिन्हें जांच के दौरान खोला जाएगा। साथ ही, एक किआ कारेंस कार भी पाई गई है।

बाजार मूल्य कई गुना अधिक होने की संभावना:

तलाशी के दौरान पता चली इन संपत्तियों का कुल दस्तावेजी मूल्य 13,05,67,100/- (तेरह करोड़ पांच लाख सड़सठ हजार एक सौ रुपये मात्र) है। हालांकि, इन अचल संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य (मार्केट वैल्यू), दस्तावेजी मूल्य से कई गुना अधिक होने की उम्मीद है।

अतिरिक्त संपत्तियों का सत्यापन अभी जारी है और मामले की जांच की जा रही है। आरोपी अधिकारी को न्यायिक रिमांड के लिए नामपल्ली स्थित 'माननीय प्रधान विशेष न्यायाधीश, एसपीई और एसीबी मामले' के समक्ष पेश किया जा रहा है।

रिश्वत मांगने पर फोन नंबर 1064 (टोल फ्री नंबर) पर करें शिकायत

यदि कोई भी लोक सेवक (सरकारी कर्मचारी/अधिकारी) रिश्वत की मांग करता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए एसीबी के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें।

तेलंगाना एसीबी से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड भी प्रदर्शित किया गया है। पीड़ित या शिकायतकर्ता का नाम और विवरण पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा।

तेलंगाना में साइबर ठगों के जाल में फंसे 735 डॉक्टर, सितंबर 2024 से अब तक गंवाए करीब 30 करोड़: टीजीसीएसबी

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

यदि देश के सबसे शिक्षित पेशेवरों में शुमार डॉक्टर भी साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं, तो यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि ऑनलाइन घोटालों का शिकार कोई भी बन सकता है। अकेले तेलंगाना में सितंबर 2024 से अब तक 735 डॉक्टरों ने ऑनलाइन घोटालों में करीब 30 करोड़ गंवाए हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए 'तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो' (टीजीसीएसबी) ने चिकित्सा जगत के सहयोग से एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है।

हैदराबाद में मंगलवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय संवाद बैठक में टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को साइबर अपराध के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया। उन्होंने अत्यधिक सतर्कता बरतने और समय पर मामलों की रिपोर्ट करने की आवश्यकता पर बल दिया।

टीजीसीएसबी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, साइबर धोखाधड़ी का शिकार हुए 735 डॉक्टरों को कुल 29.88 करोड़ का नुकसान हुआ है। धोखाधड़ी के प्रमुख प्रकार इस प्रकार हैं:

बिजनेस और इन्वेस्टमेंट फ्रॉड: इसमें डॉक्टरों को सबसे बड़ा झटका लगा, जहाँ 127 डॉक्टरों ने 22.39 करोड़ गंवाए।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम: इस घोटाले के जाल में 22 डॉक्टर फंसे, जिन्होंने मिलकर 2.26 करोड़ खो दिए।

पहचान की चोरी (आईडेंटिटी थेफ्ट): इस तरह के मामलों ने 144 डॉक्टरों को प्रभावित किया, जिससे 2.05 करोड़ का नुकसान हुआ। भेष बदलकर धोखाधड़ी (इम्पर्सनेशन फ्रॉड): इसमें 181 डॉक्टरों को ठगा गया, जिसके परिणामस्वरूप 1.32 करोड़ का नुकसान हुआ।

विज्ञापन धोखाधड़ी (एडवरटाइजमेंट फ्रॉड): इससे 188 पीड़ित प्रभावित हुए और उन्हें 1.17 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा।

अन्य घोटाले: इसके अलावा जॉब फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन, लोन स्कैम, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, मैट्रिमोनियल फ्रॉड और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े घोटालों के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

सभा को संबोधित करते हुए शिखा गोयल ने कहा कि साइबर अपराधी चिकित्सा पेशेवरों सहित समाज के हर वर्ग के लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, अत्यधिक शिक्षित या पेशेवर रूप से सफल होना किसी को भी साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित नहीं बनाता है। जागरूकता, सावधानी और समय पर रिपोर्टिंग ही हमारे सबसे मजबूत हथियार हैं। टीजीसीएसबी निदेशक ने साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में 'गोल्डन ऑवर' (घटना के तुरंत बाद का समय) के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से तुरंत शिकायत दर्ज कराने से धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने (फ्रीज करने) और पैसे वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

चिकित्सा संगठनों ने मिलाया हाथ

इस संवाद बैठक में कई प्रमुख चिकित्सा निकायों के वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एमपी किशन; तेलंगाना स्पेशलिटी हॉस्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रघुनाथ रेड्डी; तेलंगाना डॉक्टर्स फेडरेशन के राज्य मुख्य कोषाध्यक्ष डॉ. वज्रा प्रदीप; और तेलंगाना हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एल. सुरेश गौड़ शामिल थे। इसके अलावा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया, तेलंगाना ऑर्थोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन, इंडियन डेंटल एसोसिएशन और अन्य विशेषज्ञ संघों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में शिरकत की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.